website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 117 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार, 07 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

बिना अनुमति नहीं छपेंगे राजनीतिक विज्ञापन: चुनाव आयोग

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने आम चुनाव और उपचुनाव 2026 को लेकर प्रिंट मीडिया में प्रकाशित होने वाले राजनीतिक विज्ञापनों पर सख्त नियम लागू कर दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अब बिना पूर्व-प्रमाणन कोई भी राजनीतिक विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जा सकेगा, ताकि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया जा सके। आयोग के निर्देशों के अनुसार असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों के दौरान मतदान से एक दिन पहले और मतदान के दिन प्रकाशित होने वाले सभी राजनीतिक विज्ञापनों के लिए मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। आयोग ने कहा कि उम्मीदवारों को जिला स्तर की एमसीएमसी में आवेदन करना होगा, जबकि राजनीतिक दलों को राज्य स्तरीय समिति से मंजूरी लेनी होगी। इसके लिए कम से कम दो दिन पहले आवेदन देना जरूरी होगा, ताकि समय पर जांच और प्रमाणन की प्रक्रिया पूरी हो सके। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल के मतदान के लिए 8 और 9 अप्रैल को यह नियम लागू रहेगा। वहीं तमिलनाडु में 23 अप्रैल और पश्चिम बंगाल में चरणबद्ध मतदान के दौरान 23 और 29 अप्रैल को यह व्यवस्था प्रभावी रहेगी। इसके अलावा आयोग ने 'पेड न्यूज' पर भी सख्त नजर रखने के निर्देश दिए हैं। एमसीएमसी संदिग्ध खबरों की निगरानी कर आवश्यक कार्रवाई करेगी। आयोग का यह कदम चुनावी पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अनुचित प्रभाव को रोकने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

उत्तराखंड-छत्तीसगढ़ में भूकंप के हल्के झटके

नई दिल्ली। उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में हाल ही में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। राहत की बात यह रही कि कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। बागेश्वर जिले में रविवार सुबह 11:47 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई। भूकंप का केंद्र 30.047 उत्तरी अक्षांश और 79.901 पूर्वी देशांतर पर, जमीन से लगभग 10 किलोमीटर गहराई में था। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी के अनुसार, तीव्रता कम होने के कारण किसी नुकसान की खबर नहीं है। वहीं जगदलपुर और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार देर रात करीब 11:32 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता 4.4 रही और केंद्र ओडिशा के कोरापुट क्षेत्र में दर्ज किया गया, जिसकी गहराई करीब 5 किलोमीटर थी। विशेषज्ञों के अनुसार, दक्षिण एशिया में हाल के दिनों में हल्की से मध्यम तीव्रता के भूकंप लगातार दर्ज हो रहे हैं, जो क्षेत्र में भूगर्भीय गतिविधियों का संकेत हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भूकंप का मौसम से कोई संबंध नहीं होता। फिलहाल स्थिति सामान्य है और किसी बड़े खतरे की आशंका नहीं जताई गई है।

राजस्थान में 'इंतजार शास्त्र' पर सियासी घमासान

जयपुर। राजस्थान की सियासत इन दिनों 'इंतजार शास्त्र' को लेकर गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा सोशल मीडिया पर चलाई जा रही इस सीरीज ने जहां जनता का ध्यान खींचा है, वहीं बीजेपी और कांग्रेस के बीच बयानबाजी की जंग भी तेज कर दी है। दोनों दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं, जिससे राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। अशोक गहलोत ने 'इंतजार शास्त्र' नाम से शुरू की गई इस सीरीज के जरिए उन विकास कार्यों और जनहित से जुड़े प्रोजेक्ट्स को उठाया है, जो लंबे समय से अधूरे पड़े हैं या जिनकी शुरुआत में देरी हो रही है। अब तक इस सीरीज के कई हिस्से सामने आ चुके हैं, जिनमें खासतौर पर जयपुर और आसपास के क्षेत्रों से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे हैं। गहलोत का कहना है कि उनका उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं को सामने लाना है ताकि सरकार का ध्यान इन पर जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जब किसी काम में इंतजार बहुत लंबा हो जाता है, तो उसे उजागर करना जरूरी हो जाता है। उनके अनुसार, कई ऐसी परियोजनाएं हैं जिनमें देरी के कारण आम जनता को परेशानी झेलनी पड़ रही है और यदि सरकार इन पर तेजी से काम करे तो लोगों को राहत मिल सकती है। वहीं बीजेपी ने गहलोत के इस अभियान को राजनीतिक स्टंट बताया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवारी ने आरोप लगाया कि गहलोत अपनी ही पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं और सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह की सीरीज चला रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गहलोत द्वारा उठाए गए कई मुद्दे भ्रामक हैं और 'शास्त्र' जैसे शब्द का इस तरह इस्तेमाल करना उचित नहीं है। बीजेपी के आरोपों पर कांग्रेस ने भी पलटवार किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि गहलोत जैसे अनुभवी नेता के खिलाफ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल गलत है। उन्होंने सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को गहलोत से संवाद करना चाहिए और उनके अनुभव का लाभ उठाना चाहिए। इस पूरे विवाद के बीच एक अहम सवाल अब भी बना हुआ है कि जिन परियोजनाओं को लेकर 'इंतजार शास्त्र' की शुरुआत हुई, उन पर सरकार की ओर से ठोस जवाब कब आएगा। फिलहाल यह मुद्दा सियासी बहस का केंद्र बना हुआ है और आने वाले दिनों में इसके और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

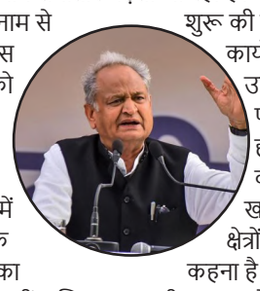

असम में जनता का उत्साह देखकर कांग्रेस पस्त: पीएम मोदी

डिब्रूगढ़ (असम)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को डिब्रूगढ़ में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्ष, खासकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ और कार्यकर्ताओं के उत्साह को देखते हुए उन्होंने कहा कि इस बार असम में जनसमर्थन अभूतपूर्व है, जिससे कांग्रेस पहले ही पस्त नजर आ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें डिब्रूगढ़ आने का कई बार अवसर मिला है, लेकिन इस बार जो जोश, ऊर्जा और भीड़ देखने को मिली, वह पहले कभी नहीं देखी। उन्होंने कहा कि यह उत्साह साफ संकेत दे रहा है कि जनता विकास और स्थिरता के साथ आगे बढ़ना चाहती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदान से पहले ही इस तरह की तस्वीरें कांग्रेस के हौसले को कमजोर करने के लिए काफी हैं। पीएम मोदी ने असम की सांस्कृतिक विविधता और एकता की सराहना करते हुए कहा कि यहां अहोम, कोच-राजबंशी, मोरान, मोतोक, मिसिंग और देवरी जैसे विभिन्न समुदाय सदियों से सौहार्द के साथ रहते आए हैं। उन्होंने कहा, "भाषाएं अलग हो सकती हैं, पर सभी का सपना एक है—विकसित असम और विकसित भारत।" प्रधानमंत्री ने असम के महान व्यक्तित्वों भूपेन हजारिका, गोपीनाथ बोरदोलोई और ज्योति प्रसाद अग्रवाल को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि इन महान हस्तियों की प्रेरणा से ही राज्य विकास के नए आयाम छू रहा है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर असम की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि नुमालीगढ़ से डिब्रूगढ़ तक का हाईवे इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि 2005 में स्वीकृत इस परियोजना पर 2013 तक कोई ठोस काम नहीं हुआ, जबकि उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल में असम में कनेक्टिविटी को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बोगीबील ब्रिज, भूपेन हजारिका सेतु और जोरहाट-माजुली सेतु जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे क्षेत्र में विकास को नई गति मिली है। उन्होंने हाल ही में मोरान में बने नए हाईवे पर लड़ाकू विमानों की लैंडिंग का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने बताया कि उन्होंने स्वयं वायुसेना के साथ उस सड़क पर उतरने का अनुभव लिया है, जो असम के आधुनिक होते इंफ्रास्ट्रक्चर की झलक है। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे और जनसभा ने असम के चुनावी माहौल को और गर्म कर दिया है। उन्होंने जहां एक ओर विकास और एकता का संदेश दिया, वहीं कांग्रेस पर हमला कर राजनीतिक मुकाबले को और तेज करने का संकेत दिया।

'शहर छोड़ो-गांव भागो': गैस संकट पर राहुल गांधी का मोदी सरकार पर तंज, कोविड से की तुलना

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एलपीजी गैस संकट को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली की तुलना कोविड काल से करते हुए कहा कि सरकार ने इस संकट को भी उसी तरह संभाला है—"नीति शून्य, बड़ी-बड़ी घोषणाएं और बोझ गरीबों पर।" राहुल गांधी ने कहा कि गैस की बढ़ती कीमतों और कमी का सीधा असर गरीब और प्रवासी मजदूरों पर पड़ रहा है। उन्होंने लिखा कि ₹500-800 की दिहाड़ी कमाने वाले मजदूरों के लिए रसोई गैस अब पहुंच से बाहर हो गई है। "रात को घर लौटते मजदूर के पास चूल्हा जलाने तक के पैसे नहीं हैं, नतीजा—शहर छोड़ो, गांव भागो," उन्होंने तंज कसते हुए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि टेक्सटाइल मिलों और फैक्ट्रियों की रीढ़ माने जाने वाले मजदूर आज सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

उनके अनुसार, टेक्सटाइल सेक्टर पहले से ही संकट में है और अब यह स्थिति और बिगड़ रही है। राहुल गांधी ने सरकार की कूटनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह संकट उन नीतिगत चूकों का परिणाम है, जिन्हें सरकार स्वीकार नहीं कर रही। राहुल गांधी ने पूछा, "हर संकट में सबसे पहले गरीब ही क्यों प्रभावित होता है?" उन्होंने कहा कि जब अहंकार नीति बन जाता है, तो अर्थव्यवस्था कमजोर होती है, उद्योग प्रभावित होते हैं और मजदूरों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार देश को यह नहीं बता रही कि इस समझौते के तहत भारत के डेटा की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा, "भारत का डेटा भारत के लोगों का है," और इसे देश की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि व्यापार बाधाओं को कम करने के नाम पर क्या भारत का स्वास्थ्य, वित्तीय और सरकारी डेटा विदेशी कंपनियों के लिए खुला किया जा रहा है? राहुल गांधी ने कहा कि सरकार स्पष्ट जवाब देने के बजाय "ढांचा", "संतुलन" और "स्वायत्तता" जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत है। "हमारे डेटा की सुरक्षा और उसका स्वामित्व हमारे पास होना चाहिए, तभी हम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं," उन्होंने कहा।

देश का भविष्य संवारना भाजपा का लक्ष्य, पीएम बनाना नहीं: नितिन गडकरी

नागपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पार्टी की 46 वर्षों की यात्रा और उसके मूल उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा की स्थापना किसी एक व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनाने के लिए नहीं, बल्कि देश का भविष्य संवारने के उद्देश्य से हुई है। गडकरी ने बताया कि 6 अप्रैल 1980 को पार्टी की नींव रखी गई थी। उस समय राम जेठमलानी और शांति भूषण जैसे वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी के विचारों और उद्देश्यों को देशभर में फैलाया गया। उन्होंने मुंबई के बांद्रा रिक्लेमेशन में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक का जिक्र करते हुए एम.सी. छागला की भूमिका को भी याद किया। इस दौरान गडकरी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए उनकी प्रसिद्ध पंक्ति "अंधकार छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा" का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अटल जी हमेशा देश को सर्वोपरि मानते थे और यही भाजपा की विचारधारा का मूल है। विपक्ष के आरोपों पर जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि भाजपा न तो जातिवादी है और न ही सांप्रदायिक। भारत की पहचान उसकी विविधता में एकता है, जिसे पार्टी आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अपने ईरान दौरे का भी जिक्र किया और बताया कि वहां की फारसी भाषा की जड़ें संस्कृत से जुड़ी हैं तथा तेहरान यूनिवर्सिटी में संस्कृत का अध्ययन भी होता है। अंत में गडकरी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे देशहित, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए समर्पण के साथ कार्य करें, ताकि भारत को और अधिक मजबूत और समृद्ध बनाया जा सके।

वसुंधरा राजे का बड़ा बयान
"अवसरवादियों को नहीं मौका, समर्पित कार्यकर्ताओं को ही प्राथमिकता"

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर जयपुर स्थित प्रदेश बीजेपी मुख्यालय में उत्साह और जोश का अनोखा माहौल देखने को मिला। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की भरी उपस्थिति में पार्टी का ध्वजारोहण किया। इसी कार्यक्रम में मौजूद पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बयान को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इशारों-इशारों में वसुंधरा राजे ने कई निशाने साधे। दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री के दिए गए बयानों को पार्टी के अंदरखाने चल रही गुटबाजी से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले भी पूर्व मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं के सम्मान की बात कही थी और अब एक बार फिर उन्होंने दल बदल और इधर-उधर जाने वाले नेताओं को लेकर बयान दिया है।

"सिर्फ अपना सोचने वालों से पार्टी को खतरा"

जयपुर में बीजेपी के स्थापना दिवस कार्यक्रम में सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा, "राजनीति में उतार-चढ़ाव आते हैं। कई लोग ऐसे हैं, जो दल बदल लेते हैं, लेकिन दिल नहीं बदलते। मानसिकता वही रहती है।" पूर्व सीएम ने आगे कहा, "ऐसा भी होता है, जो दल बदल लेते हैं, वह दिल भी बदल लेते हैं। पार्टी में जैसे दूध में शक्कर मिलती है, वैसे मिल जाते हैं। लेकिन जो मूल विचारधारा के नेता, कार्यकर्ता हैं, उनको सम्मान मिलना चाहिए। हमको खतरा उनसे है, जो अपना खुद का सोचते हैं। पार्टी का क्या होगा, इसका नहीं सोचते हैं।"

"अवसरवादियों को नहीं दें मौका"

वसुंधरा राजे ने ये भी कहा, "ऐसे तो कई हैं, जो इधर से उधर गए, उधर से इधर आए, फिर जीत गए। लेकिन नियुक्तियां उनको देनी चाहिए जो पार्टी के लिए समर्पित हैं। जो पार्टी के मूल कार्यकर्ता हैं, जिनमें संगठन के प्रति निष्ठा और समर्पण के भाव हों, जिन्होंने पार्टी के लिए संघर्ष किया है और जो पार्टी विचारधारा के हैं। ऐसे कार्यकर्ताओं को ही मौका मिले, अवसरवादियों को नहीं।"

गोरखपुर में CM योगी ने किया आधुनिक कंप्यूटर लैब का उद्घाटन

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में आधुनिक कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। यह लैब पूर्व शिक्षक डॉ. तेज प्रताप शाही की स्मृति में उनके परिवार द्वारा स्थापित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लैब इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, शोध और नवाचार को बढ़ावा देगी तथा विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने डॉ. शाही के परिवार की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में सीएम योगी ने डॉ. शाही को याद करते हुए भावुक संस्मरण साझा किया और उनके समर्पण व निष्ठा को प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. शाही केवल शिक्षक ही नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाले व्यक्तित्व थे। इस अवसर पर उनके परिवारजन और कॉलेज के प्राचार्य सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा का सफर त्याग, तपस्या और समर्पण की गाथा है : नितिन नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए "राष्ट्र प्रथम" के संकल्प को दोहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का सफर त्याग, तपस्या और समर्पण की प्रेरणादायक गाथा है, जिसे अनगिनत कार्यकर्ताओं ने अपने परिश्रम से आगे बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि भाजपा की स्थापना 1980 में जनता पार्टी से अलग होने के बाद हुई थी, जिसकी वैचारिक जड़ें श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ में निहित हैं। तब से पार्टी देश की प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है, जो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और विकास को अपना मूल आधार मानती है। नितिन नवीन ने कहा, "स्थापना दिवस के इस पावन अवसर पर मैं दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।" उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'अंत्योदय' का सपना अब धरातल पर साकार हो रहा है। उन्होंने कहा, "जनसंघ के दौर से लेकर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक की यात्रा अनगिनत कार्यकर्ताओं के त्याग और समर्पण का परिणाम है। 'अंत्योदय' का वह सपना, जिसे दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देखा था, आज साकार होता नजर आ रहा है।" नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे 'राष्ट्र सर्वोपरि' के संकल्प को दोहराएं और 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए अपनी पूरी ऊर्जा समर्पित करें। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा "इंडिया फर्स्ट" के सिद्धांत पर चलकर समाज की सेवा में अग्रणी रही है। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ सेवा, समर्पण और सुशासन के प्रति उनके जुनून की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से पार्टी की विचारधारा देश के कोने-कोने तक पहुंची है। उन्होंने उन कार्यकर्ताओं को भी याद किया, जिनके बलिदान और दृढ़ता ने पार्टी को आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा जनता के कल्याण को केंद्र में रखकर काम करने वाली पार्टी है और 'विकसित भारत' का संकल्प देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

शराबबंदी कानून पर तेजस्वी यादव का हमला, बोले- "बड़ी मछलियों पर कार्रवाई नहीं"

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में लागू शराबबंदी कानून को विफल करार देते हुए एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोमवार (06 अप्रैल) को जारी बयान में उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन और शराब माफिया के कथित गठजोड़ के कारण यह कानून "राज्य का सबसे बड़ा संस्थागत भ्रष्टाचार" बन गया है।

"40 हजार करोड़ की समानांतर अर्थव्यवस्था"

तेजस्वी यादव ने दावा किया कि शराबबंदी के बावजूद बिहार में लगभग 40 हजार करोड़ रुपये की गैरकानूनी समानांतर अर्थव्यवस्था खड़ी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कानून लागू होने के बाद 11 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए और 16 लाख से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक पांच करोड़ लीटर से अधिक शराब बरामद की जा चुकी है, जबकि पिछले पांच वर्षों में दो करोड़ लीटर से ज्यादा शराब जब्त की गई। यह औसतन प्रतिदिन 11 हजार लीटर से अधिक की बरामदगी को दर्शाता है।

"अवैध कारोबार लगातार जारी"

राजद नेता ने कहा कि वर्ष 2026 में हर महीने औसतन 3.70 लाख लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त की गई, जो प्रतिदिन करीब 12,356 लीटर होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये केवल जब्ती के आंकड़े हैं, जबकि वास्तविक खपत इससे कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि सरकार के अनुसार 2026 में बरामदगी में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो साफ दिखाता है कि शराबबंदी के बावजूद अवैध कारोबार लगातार जारी है।

"अन्य नशों का बढ़ा कारोबार"

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि शराबबंदी के बाद राज्य में अन्य नशीले पदार्थों का चलन बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं में गांजा, ब्राउन शुगर और नशीली दवाओं का सेवन तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि राज्य की सीमाओं में इतनी बड़ी मात्रा में शराब किसके संरक्षण में लाई जा रही है और खपत के आंकड़े सार्वजनिक क्यों नहीं किए जाते।

"गरीबों पर कार्रवाई, बड़ी मछलियां बच रहीं"

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी कानून के तहत गिरफ्तार किए गए लोगों में अधिकांश गरीब, दलित, पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग से हैं। उन्होंने आरोप लगाया, "बड़ी मछलियों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है।" तेजस्वी यादव ने मांग की कि सरकार उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, जो कथित तौर पर शराबबंदी कानून को विफल करने में शामिल हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका विश्व में अकेला पड़ा

अमेरिका इजराईल और ईरान युद्ध इस समय अपनी चरम सीमा पर चल रहा है। अमेरिका इजराईल इस युद्ध को एक सप्ताह में जीत लेना चाहते थे। अमेरिका इजराईल को पूरा विश्वास था कि ईरान की जितनी सैन्य शक्ति है उसे आसानी से पार पाली जाएगी और ईरान में सत्ता परिवर्तन कर दिया जाएगा। अमेरिका इजराईल ने करीब 37 दिन तक लगातार ईरान पर बमबारी की है। अमेरिका इजराईल की बमबारी में ईरान के हवाई अड्डे, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, सड़क पुल, रिफाइनरी, गैस प्लांट, स्टील कारखाने सहित अन्य ढांचे नष्ट हो गए। अमेरिका इजराईल ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खमेनई सहित सैंकड़ों नेताओं और सैनिक कमांडरों को भी मौत के घाट उतार दिया। लेकिन ईरान ने भारी नुकसान होने के बावजूद अमेरिका इजराईल के सामने घुटने टेकने से मना कर दिया और कहा कि या तो हम यह युद्ध जीतेंगे या फिर शहादत पाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति हर रोज ईरान को युद्ध विराम समझौते के लिए धमकी देते हैं। लेकिन ईरान अमेरिका की धमकियों की कोई परवाह नहीं कर रहा है। ईरान अमेरिका इजराईल से बिल्कुल नहीं डरा और पलटवार करते हुए खाड़ी देशों में स्थित अमेरिका के सैन्य एवं व्यवसायिक ठिकानों को नष्ट कर दिया। ईरान ने इज़राईल पर मिसाइलों और ड्रोन से भारी बमबारी की और इज़राईल बनने से लेकर आज तक भारी नुकसान पहुंचाया है। इजराईल की हालत ऐसी बनती जा रही है जैसे इज़राईल ने फिलिस्तीन की बनाई थी। इजराईल का डिफेंस सिस्टम भी ईरानी आक्रमण को नहीं रोक पा रहा है। इजराईल की ऐसी स्थिति के बारे में विश्व में किसी ने भी नहीं सोचा होगा, क्योंकि इज़राईल ने विश्व में प्रचारित कर रखा था कि विश्व में ऐसा कोई भी हथियार नहीं है जो उसके डिफेंस सिस्टम को भेद सके। लेकिन ईरान की मिसाइलों और ड्रोन ने इजराईली डिफेंस सिस्टम को तो फैल किया ही साथ में पूरे इजराईल में आग लगाकर तबाही मचा दी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को कंट्रोल करने और हर जलडमरू को खोलने के लिए यूरोप और नाटो देशों से सैन्य मदद मांगी। लेकिन ट्रंप की मनमानी नीतियों और धमकियों से आहत नाटो देशों ने अमेरिका का साथ नहीं दिया। नाटो देशों का कहना है कि यह युद्ध नाटो देशों का नहीं है, यह युद्ध इज़राईल और ट्रंप का है। नाटो देश इजराईल के साथ नहीं है। स्थिति यह बनती जा रही है कि अमेरिका के नजदीक माने जाने वाले देश भी अब एक-एक करके उसका साथ छोड़ते जा रहे हैं। खाड़ी के मुस्लिम देश भी ट्रंप की नीतियों और ईरान से युद्ध में नाकामी के चलते ट्रंप का साथ छोड़कर जा रहे हैं। ट्रंप की नीतियों के कारण दूसरे देशों ने अमेरिका का साथ ही नहीं छोड़ा बल्कि अमेरिका जनता भी ट्रंप का सड़कों पर उतरकर विरोध कर रही है। अमेरिका जनता ट्रंप की नीतियों और इजराईल के कहने पर ईरान पर आक्रमण करने का तीव्र विरोध कर रही है, दूसरी तरफ ईरान कुशल युद्ध नीति के चलते अमेरिका इजराईल को लंबे युद्ध में फंसाता जा रहा है। ईरान इस युद्ध में धैर्य, साहस और कुशल नीति का परिचय दे रहा है। यही कारण है कि विश्व के देश और लोग ईरान की नीतियों को पसंद कर रहे हैं और अमेरिका की नीतियों से असहमत दिखाई दे रहे हैं।

विधायी नेतृत्व

नीति निर्धारण में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की परिवर्तनकारी शक्ति

अन्नपूर्णा देवी

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत 73प्रतिशत से अधिक मकान महिलाओं के नाम पर हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शनों ने घरेलू जीवन स्तर में सुधार किया है। ये सभी कदम एक स्पष्ट नीतिगत दिशा भागीदारी के जरिए सशक्तिकरण की ओर इंगित करते हैं हालांकि, अब ध्यान भागीदारी से आगे बढ़कर निर्णय-लेने तक पहुँचने पर केंद्रित है। हमारे देश का अपना अनुभव एक मजबूत मानक प्रस्तुत करता है। स्थानीय स्तर पर, अब पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग 50प्रतिशत महिलाएँ हैं, यानी 12 लाख से अधिक नेताओं के रूप में वे स्थानीय शासन को दिशा दे रही हैं। उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। महिला-नेतृत्व वाली स्थानीय संस्थाओं ने विकास से जुड़े जल, स्वच्छता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य देखरेख जैसे प्रमुख मुद्दों पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है, जो दर्शाता है कि नेतृत्व में विविधता नीति निर्माण में सकारात्मक बदलाव लाती है। अब यह प्रश्न नहीं रह गया है कि महिलाएँ प्रभावी नेतृत्व कर सकती हैं या नहीं; इसके प्रमाण पहले से मौजूद हैं। अब समय आ गया है कि भारत की उच्च विधायी संस्थाएँ महिलाओं के नेतृत्व को पूर्ण रूप से अपनाएँ और उसे बढ़ाएँ। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने पहले ही आधार तैयार कर दिया है, जो सार्थक प्रतिनिधित्व के लिए एक मजबूत संरचनात्मक नींव प्रदान करता है। राजनीतिक दलों के पास अब इस गति को आगे बढ़ाने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को नए सिरे से परिभाषित करने, चुनावी अभियान के लिए वित्तीय संसाधनों तक पहुँच का विस्तार करने तथा महिला नेताओं के लिए स्पष्ट और सशक्त मार्ग तैयार करने का जबरदस्त अवसर है। उचित सुधारों के साथ, राजनीतिक दल विधायी समावेशन को विजन से जीवंत और जीती-जागती हकीकत में परिवर्तित कर सकते हैं। सरकार संसद और राज्य विधानसभाओं में संस्थागत तत्परता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहली बार निर्वाचित होने वाले विधायकों को सशक्त नीतिगत अनुसंधान, समग्र विधायी प्रशिक्षण और मजबूत सहकर्मी नेटवर्क तक पहुँच

भारत के समक्ष एक असाधारण अवसर है अपनी विधायिकाओं को नया आकार देने, महिलाओं के नेतृत्व को आगे बढ़ाने और एक ऐसे लोकतंत्र की रचना करने का जो सही मायनों में अपने लोगों की शक्ति को प्रतिबिंबित करता हो। जब महिलाएँ शासन में अपना उचित स्थान ग्रहण करती हैं, तब सभी की आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर नीतियाँ बनती हैं, और राष्ट्र अधिक उद्देश्य और शक्ति के साथ आगे बढ़ता है। सितंबर 2023 में पारित संविधान (एक सौ छठा संशोधन) अधिनियम नारी शक्ति वंदन अधिनियम – हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक सुधारों में से एक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनाया गया यह कानून हमारे देश के लोकतांत्रिक ढाँचे में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाने की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति को दर्शाता है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के विजन में निहित यह ऐतिहासिक कानून, लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान करते हुए विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक साहसिक कदम है। यह मात्र संवैधानिक प्रावधान से कहीं बढ़कर है यह एक परिवर्तनकारी विजन का संस्थागत रूप है, जहाँ महिलाएँ केवल लोकतंत्र में भागीदारी ही नहीं करतीं, बल्कि उसके ताने-बाने को भी आकार देती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास को दिए गए निरंतर समर्थन ने लंबे समय से चली आ रही उम्मीदों को हकीकत में बदलने की मजबूत प्रेरणा प्रदान की है। भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को केवल अधिक महिलाओं की ही नहीं, बल्कि ऐसी महिलाओं की आवश्यकता है जिनके पास नीतिगत परिणामों को आकार देने के लिए अधिकार, क्षमता और पर्याप्त अवसर हों। वर्तमान सरकार ने पिछले एक दशक में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिससे इस विधायी परिवर्तन के लिए मजबूत आधार तैयार हुआ है। जन धन खाताधारकों में 56 प्रतिशत से अधिक महिलाएँ हैं, जिससे वित्तीय समावेशन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिलता है। मुद्रा योजना के लगभग 67प्रतिशत लाभार्थी महिलाएँ हैं, जो उद्यमिता में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत 73प्रतिशत से अधिक मकान महिलाओं के नाम पर हैं, जबकि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शनों ने घरेलू जीवन स्तर में सुधार किया है। ये सभी कदम एक स्पष्ट नीतिगत दिशा भागीदारी के जरिए सशक्तिकरण की ओर इंगित करते हैं हालांकि, अब ध्यान भागीदारी से आगे बढ़कर निर्णय-लेने तक पहुँचने पर केंद्रित है। हमारे देश का अपना अनुभव एक मजबूत मानक प्रस्तुत करता है। स्थानीय स्तर पर, अब पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग 50प्रतिशत महिलाएँ हैं, यानी 12 लाख से अधिक नेताओं के रूप में वे स्थानीय शासन को दिशा दे रही हैं। उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। महिला-नेतृत्व वाली स्थानीय संस्थाओं ने विकास से जुड़े जल, स्वच्छता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य देखरेख जैसे प्रमुख मुद्दों पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है, जो दर्शाता है कि नेतृत्व में विविधता नीति निर्माण में सकारात्मक बदलाव लाती है। अब यह प्रश्न नहीं रह गया है कि महिलाएँ प्रभावी नेतृत्व कर सकती हैं या नहीं; इसके प्रमाण पहले से मौजूद हैं। अब समय आ गया है कि भारत की उच्च विधायी संस्थाएँ महिलाओं के नेतृत्व को पूर्ण रूप से अपनाएँ और उसे बढ़ाएँ। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने पहले ही आधार तैयार कर दिया है, जो सार्थक प्रतिनिधित्व के लिए एक मजबूत संरचनात्मक नींव प्रदान करता है। राजनीतिक दलों के पास अब इस गति को आगे बढ़ाने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को नए सिरे से परिभाषित करने, चुनावी अभियान के लिए वित्तीय संसाधनों तक पहुँच का विस्तार करने तथा महिला नेताओं के लिए स्पष्ट और सशक्त मार्ग तैयार करने का जबरदस्त अवसर है। उचित सुधारों के साथ, राजनीतिक दल विधायी समावेशन को विजन से जीवंत और जीती-जागती हकीकत में परिवर्तित कर सकते हैं। सरकार संसद और राज्य विधानसभाओं में संस्थागत तत्परता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहली बार निर्वाचित होने वाले विधायकों को सशक्त नीतिगत अनुसंधान, समग्र विधायी प्रशिक्षण और मजबूत सहकर्मी नेटवर्क तक पहुँच प्रदान करके, सरकार उन आधारों में निवेश कर रही है जो बढ़ी हुई भागीदारी को अधिक प्रभावी और सटीक निर्णय-लेने में परिवर्तित करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार महिलाओं के नेतृत्व में विकास के विजन पर लगातार कार्य करती रही है, और उसने नारी शक्ति को भारत की विकास गाथा के केंद्र में स्थापित किया है। इस अधिनियम का पारित होना विधायी स्तर पर इस विजन को दर्शाता है। यदि इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाया जाए, तो इसकी संभावनाएँ असाधारण हैं। वास्तविक प्रभाव के साथ प्रतिनिधित्व असर को कई गुणा बढ़ा देता है। वास्तविक ताकत के साथ उपस्थिति सुधार को तेज करती है। भारत दोनों को अपनाने के लिए तैयार हैऔर इससे होने वाले लाभ परिवर्तनकारी होंगे। जैसे-जैसे देश 2047 तक विकसित भारत बनने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता है, इसकी विधायी संस्थाओं की शक्ति एक महत्वपूर्ण कारक होगी। महिलाओं के विधायी नेतृत्व को बढ़ाना केवल निष्पक्षता का मामला नहीं है यह स्वयं शासन को सुदृढ़ करने के बारे में है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने वास्तविक संभावनाओं का क्षण उत्पन्न किया है। अब इस क्षण को स्थायी परिवर्तन में बदलने का अवसर और शक्ति दोनों ही राजनीतिक संस्थाओं, दलों और नीति निर्माताओं के पास मौजूद हैं। प्रगति का असली पैमाना उन महिलाओं में दिखाई देगा, जो केवल सीटों पर बैठतीं ही नहीं, बल्कि उन्हें अधिकारपूर्वक संचालित भी करती हैंजो साहसिक कानून तैयार करती हैं, परिवर्तनकारी एजेंडे तय करती हैं, और आने वाली पीढ़ियों के लिए शासन के स्वरूप को नया आकार देती हैं। इस बिल के लागू होने के साथ, भारत की विधायिकाओं की केवल संरचना ही नहीं बदलेंगी–बल्कि उनके उद्देश्य, शक्ति और वादे भी बदलेंगे।

चुनौतियां

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

भारत आर्थिक व उन्नत परमाणु शक्ति बने

यकीनन इस समय पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया में बढ़ते हुए युद्ध के दौर के बीच भारत की सीमाएं बढ़ती भूराजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक संवेदनशील हो गई हैं। हाल ही में अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड के द्वारा प्रस्तुत 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान के द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया और अमेरिका के लिए भी बड़ा खतरा बन गया है। ऐसे में भारत के लिए आर्थिक शक्ति के साथ उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित मजबूत सैन्य शक्ति बनने की आवश्यकता उभरकर दिखाई दे रही है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत तेज रफ्तार से विकास करते हुए वर्ष 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, वहीं संसदीय रक्षा समिति की रिपोर्ट में भविष्य के युद्धों में भारत की निर्णायक भूमिका के मद्देनजर देश को स्वदेशी ड्रोन और ड्रोन रोधी तकनीकों का हब बनाए जाने की जरूरत बताई गई है। गौरतलब है कि भारत के पड़ोस में पाकिस्तान के द्वारा आधुनिक चीनी हथियारों से आतंक और घुसपैठ को प्रश्रय और चीन की ओर से सीमा पर आपत्तिजनक गतिविधियां भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हो गई हैं। जहां लद्दाख में चीन ने भारतीय क्षेत्र के कुछ भागों पर कब्जा कर रखा है, वहीं अब चीन की नजर काराकोरम दर्रे पर भी है। जहां चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पकड़ मजबूत करने की राह पर आगे बढ़ा है, वहीं वह हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' के जरिए भारत को घेरते हुए दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष 2025 में भारत के पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 7 मई से ऑपरेशन सिंदूर चलाया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन ने पाकिस्तान को साइबर सपोर्ट, उपग्रह के जरिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है। यह पूरा परिदृश्य भारत के लिए दशकों से चली आ रही शांतिप्रियता की नीति में आमूलचूल बदलाव की जरूरत बता रहा है। निसंदेह कई दशकों से भारत पंचशील के वाहक देश के रूप में विदेशी आतंक और विदेशी अतिक्रमणों को भी धैर्यपूर्वक सहन करने की मानसिकता के साथ आगे बढ़ता रहा है, लेकिन हाल ही के वर्षों में ऐसी मानसिकता में बहुत कुछ बदलाव आया है। निसंदेह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक पिछले 12 वर्षों में सरकार ने एक ओर आर्थिक तो दूसरी ओर सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया था। अब भारत को यह दृढ़ता से स्वीकार करना होगा कि भारत के साथ पड़ोसियों के टकराव की स्थिति और बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत के लिए तेज आर्थिक विकास के साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने, मजबूत सैन्य शक्ति व उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने के लिए रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच भी भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से अर्थव्यवस्था को तेज गिरावट से बचाए हुए है। अभी भी भारत की अर्थव्यवस्था दूसरे देशों के मुकाबले तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। दुनिया की क्रेडिट रेटिंग एजेंसियाँ चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर के 6.5 फीसदी होने संबंधी अनुमान प्रस्तुत कर रही हैं। भारत का मजबूत घरेलू बाजार, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और विदेशी मुद्रा भंडार में 680 अरब डॉलर से अधिक का संचय युद्ध की मुश्किलों के बीच भारत का सहारा है। साथ ही भारत को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने की मजबूत स्थिति में बनाए हुए है। अभी देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी व आर्थिक शक्ति बनाने के लिए रफ्तार से बढ़ना होगा। उम्मीद करें कि भारत की सीमाओं पर बढ़ती भू राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर सरकार भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति और तीसरी बड़ी सैन्य शक्ति के साथ-साथ उन्नत परमाणु शक्ति बनाने की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगी और इस अभियान में देश के वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और पूरे देश का जनबल एकजुटता से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई देगा।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रेम क्या है?

संकलित

दर्शन

प्रेम कोई क्रिया नहीं है। 'मैं' भी प्रेम है और 'तुम' भी प्रेम हो। प्रेम वह तत्त्व है जिससे हम सब बने हैं। यह एक अवस्था है, कोई कार्य नहीं। जब हम वर्तमान में होते हैं, तब हमारा मन स्वच्छ होता है-न क्रोध, न चिंता, बस प्रेम होता है। छोटे बच्चों को देखो-उनके चेहरे पर कितना निर्मल प्रेम होता है! बच्चे आकर्षक क्यों होते हैं? क्योंकि वे अपने भीतर के प्रेम को बिना किसी अवरोध के बाहर लाने देते हैं। यही कारण है कि यीशु ने कहा था- "जब तक तुम बच्चों जैसे नहीं बनते, तब तक स्वर्ग के द्वार तुम्हारे लिए नहीं खुलते।" बच्चे एक पल रोते हैं, और अगले ही पल हँस पड़ते हैं- यह है वर्तमान में जीने की कला। हम सबमें यह क्षमता है लेकिन जैसे-जैसे हम 'बुद्धिमान' होते जाते हैं, हम अपनी मासूमियत खो देते हैं। आत्मज्ञान का अर्थ है-मासूमियत को बनाए रखते हुए ज्ञान में बढ़ना। एक अज्ञानी व्यक्ति मासूम हो सकता है, लेकिन उसकी मासूमियत का कोई मूल्य नहीं होता। एक चतुर व्यक्ति चालाक हो सकता है, पर उसकी बुद्धिमत्ता में करुणा न हो तो वह भी व्यर्थ है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था है-जब व्यक्ति बुद्धिमान हो, लेकिन फिर भी भीतर से मासूम बना रहे। यह जीवन में बहुमूल्य है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था यह है कि हम बुद्धिमान बनें, पर भीतर से बच्चे जैसे सरल और निष्कलुष बने रहें। आज की भागदौड़ भरी जीवन में हम सब सफल, समझदार, प्रभावशाली बनना चाहते हैं लेकिन इस दौड़ में कहीं हमारी सरलता, सहजता और वह निर्मल मुस्कान पीछे छूट गई है।

एक सत्संग ऐसी भी

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहाँ जाते है। सेठजी बोले कि, सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते है तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे हीं उसे पिंजरे से बाहर निकालते है, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते है कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहाँ हैं। सेठजी कहते हैं, हाँ महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया , मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया।

अंतर्मन

आज की पाती

ट्रंप और ईरान की जिद दुनिया को ले डूबेगी

अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि वो उसे पाषाण युग में पहुंचा देंगे। पाषाण युग वो समय था जब मनुष्य पत्थर के हथियारों का प्रयोग करता था। यह युग लगभग 25 लाख वर्ष पहले का युग माना जा सकता है। पत्थरों के हथियारों से उतना नुकसान नहीं होता था जितना आज के आधुनिक हथियारों से हो सकता है। आज के हथियार तो संपूर्ण प्राणी जाति को नष्ट करने वाले हैं। अगर अमरीका और ईरान अपनी ईगो के कारण युद्ध समाप्त नहीं करते हैं, तो यह किसी एक ही देश के लिए नुकसानदायक नहीं, बल्कि सारी दुनिया के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है, और पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा सकता है, क्योंकि परमाणु हथियार बहुत ही हानिकारक हैं। – *चेतन साहू, बिलासपुर*

ट्रेंड

असम में शांति

10 साल पहले बम, बंदूक, भ्रष्टाचार और आतंकवादियों की सरकार होती थी। जहां दंगों और कर्फ्यू की खबरें आती थी। प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में असम स्थायी और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है।
-जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण

हम सत्ता के स्वर्ण शिखर पर बैठने के लिए राजनीति नहीं करते। हमारी राजनीति राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के लिए, जनता के कल्याण के लिए, बहनों के सशक्तिकरण के लिए और दरिद्र नारायण की सेवा के लिए है।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री

हिमंता सरमा देश के सबसे भ्रष्ट और सबसे सांप्रदायिक मुख्यमंत्री है। हिमंता सरमा ने असम की जनता को धोखा दिया है और गुमराह किया है - इसका सबूत जनता के सामने है। असम की जनता उनके भ्रष्टाचार को कभी माफ नहीं करेगी, उनको सजा मिलनी तय है।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

लागत पर दबाव

भू- राजनीतिक तनावों के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भारत में उत्पादकों की लागत पर दबाव पड़ रहा है और यदि यह स्थिति मध्यम अवधि तक बनी रहती है, तो इसका असर उपभोक्ताओं पर भी पड़ने की संभावना है।
-स्वामीनाथन पद्मनाभन, उद्यमी

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

ऑक्सफोर्ड विवि 'शिक्षापत्री' का द्विशताब्दी समारोह मना रहा

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के बोडलियन पुस्तकालय ने विश्व के सबसे महत्वपूर्ण और दुर्लभ हिंदू धर्मग्रंथों में से एक 'शिक्षापत्री' की 200वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पूरे ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत की है। पांडुलिपि की यात्रा इसकी रचना के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष के प्रारंभ में शुरू हुई। इस पांडुलिपि को स्वामीनारायण पंथ के नेताओं के सहयोग से देश भर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि अनुमानित तौर पर 20,000-30,000 लोग इस पवित्र ग्रंथ का दर्शन कर सकें। गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी-भगवान स्वामीनारायण द्वारा 1826 में रचित 'शिक्षापत्री' नैतिक और आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करती है। बोडलियन में एशियाई और मध्य पूर्वी संग्रह की क्यूरेटर डॉ. गिलियन एविसन ने कहा, ''ब्रिटेन भर के मंदिरों और समुदायों के साथ इस ऐतिहासिक पांडुलिपि को साझा करके, बोडलियन पुस्तकालयों को उम्मीद है कि वे इसके सांस्कृतिक महत्व और इसके स्थायी संदेश दोनों का सम्मान करेंगे।' उन्होंने कहा, 'रचना के दो शताब्दी बाद भी, 'शिक्षापत्री' में करुणा, नैतिक जीवन और सामाजिक सद्भाव का आह्वान जटिल होती दुनिया में प्रासंगिक है।'

ऑफ बीट

जाने कुछ ब्लैक होल दूसरों से बड़े क्यों?

ब्लैक होल घने खगोलीय पिंड होते हैं, जिनका गुरुत्वाकर्षण इतना मजबूत होता है कि कुछ भी खुद में समेट लेते हैं, यहां तक कि प्रकाश भी, इससे बच नहीं सकता है। जो कुछ भी ब्लैक होल के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव की सीमा को पार करेगा, वह ब्लैक होल में गिर जाएगा। इस गहरे, घने गड्ढे के अंदर, इसे फिर कभी नहीं देखा जा सकेगा। ब्लैक होल ब्रह्मांड में यहां-वहां फैले रहते हैं। हमारी आकाशगंगा जैसी आकाशगंगाओं में कुछ छोटे ब्लैक होल बेतरतीब ढंग से बिखरे हुए हैं। अन्य विशाल ब्लैक होल, जिन्हें 'सुपरमैसिव' ब्लैक होल कहा जाता है, आकाशगंगाओं के केंद्र में स्थित हैं। इनका वजन हमारे सूर्य के द्रव्यमान से दस लाख से एक अरब गुना तक हो सकता है। तो आप सोच रहे होंगे: खगोलशास्त्री संभवतः इतनी अंधेरी और इतनी बड़ी चीज़ कैसे देख सकते हैं? मैं एक खगोलशास्त्री हूं जो हमारे ब्रह्मांड में बने पहले सुपरमैसिव ब्लैक होल का अध्ययन करता है। मैं यह समझना चाहता हूं कि ब्लैक होल कैसे बनते हैं और वे किस प्रकार के खगोलीय माहौल में विकसित होते हैं। दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, अल्बर्ट आइंस्टीन और कार्ल श्वार्ज़चाइल्ड ने सबसे पहले ब्लैक होल का विचार प्रस्तुत किया था।

जयपुर में सादगी से निकाह की पहल
दहेज और फिजूलखर्ची के खिलाफ कुरैशी समाज बना मिसाल
-इस्लाहे मआशरा मुहिम दे रही नया संदेश

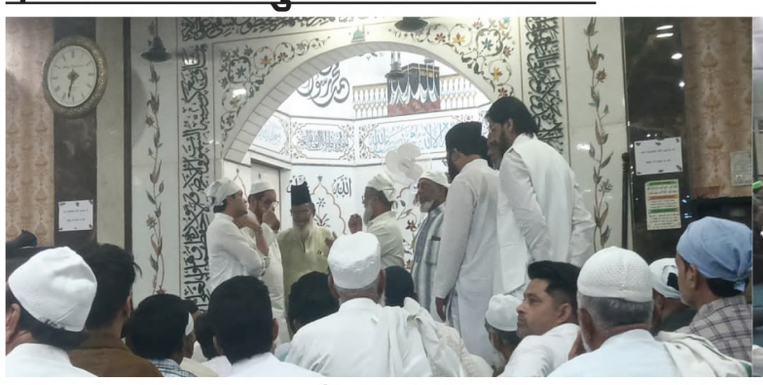

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में खासकर जयपुर के कुरैशी समाज ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जो समाज सुधार की मिसाल बनती जा रही है। "इस्लाहे मआशरा" के तहत शादी-विवाह को आसान, सादा और शरई तरीके से करने की मुहिम तेज़ी पकड़ रही है। इस पहल का मकसद दहेज जैसी कुरीतियों को खत्म करना और गरीब परिवारों को राहत देना, ताकि बेटियों की शादी बिना बोझ के हो सके।

सादगी से निकाह, खत्म हो रहा दिखावा

इस मुहिम के तहत निकाह पूरी तरह सादगी से मस्जिद में कराए जा रहे हैं। न गार्डन, न डिनर और न ही किसी तरह का दिखावा—बस शरीयत के मुताबिक निकाह और मेहमानों को खजूर व शरबत से इस्तकबाल। यह पहल पैगंबर मुहम्मद साहब की सुन्नतों को जिंदा करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है, जिसमें निकाह को आसान और बरकत वाला बताया गया है।

कुरैशी समाज ने पेश की अनोखी मिसाल

कुरैशी समाज के कई जिम्मेदार और वरिष्ठ लोग खुद आगे आकर इस मुहिम को मजबूत कर रहे हैं। झोटवाड़ा निवासी समाजसेवी छुट्टन कुरैशी ने अपनी बेटी की शादी "नो गार्डन, नो डिनर, नो दहेज" के सिद्धांत पर कर समाज के सामने एक नई राह दिखाई। ऐसे कदमों से समाज में सकारात्मक बदलाव की लहर देखने को मिल रही है।

नूरानी मस्जिद में सादगी से हुआ निकाह

हाल ही में नाहरी का नाका स्थित नूरानी मस्जिद में शाहजाद अहमद कुरैशी की पुत्री अलवीरा कुरैशी का निकाह फैजान कुरैशी के साथ सादगी से संपन्न हुआ।

मुफ्ती अबरार अहमद साहब ने निकाह पढ़ाया। शरीयत के मुताबिक रस्म अदायगी के बाद मेहमानों को खजूर और शरबत पेश किया गया और दुल्हन की रुखसती सादगी से हुई। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

अब तक 135 से ज्यादा शादियां हो चुकी

इस मुहिम के तहत अब तक 135 से अधिक शादियां बिना दहेज और फिजूल खर्ची के संपन्न कराई जा चुकी हैं। इस्लाहे मआशरा कमेटी लगातार ऐसे आयोजनों में अहम भूमिका निभा रही है। कमेटी का लक्ष्य है कि इस अभियान को पूरे राजस्थान और फिर देशभर में फैलाया जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ सकें।

दहेज प्रथा पर लग रही रोक मजबूत

इस पहल से दहेज लेने-देने की प्रथा पर प्रभावी रोक लगती नजर आ रही है। आमतौर पर देखा जाता है कि दहेज के कारण लड़की वालों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है और कई बार कर्ज लेना पड़ता है।

लेकिन इस मुहिम के जरिए अब शादियां बिना लेन-देन के हो रही हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है।

शिक्षा पर खर्च, फिजूलखर्ची पर रोक

समाजसेवी राजस्थान प्रदेश कॉंग्रेस महासचिव इमरान कुरैशी का कहना है कि शादियों में होने वाली फिजूलखर्ची को रोककर बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। उनका मानना है कि जिस पैसे को लोग दिखावे में खर्च करते हैं, वही अगर बच्चों की तालीम और बेहतर भविष्य पर लगाया जाए तो समाज का विकास संभव है। इस सोच को समाज में तेजी से समर्थन मिल रहा है।

समाज सुधार की दिशा में मजबूत कदम

कुल मिलाकर, कुरैशी समाज की यह पहल न सिर्फ एक सामाजिक बदलाव की शुरुआत है, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा भी बन सकती है। सादगी, समानता और इंसानियत के इस संदेश के साथ "इस्लाहे मआशरा" मुहिम समाज को एक नई दिशा देने का काम कर रही है।

वर्ल्ड हेरिटेज जयपुर पर संकट
यूनेस्को की चेतावनी के बाद भी नहीं जागा नगर निगम, रामगंज में गंदगी और अव्यवस्था का अंबार

हरि चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी की विरासत पर एक बार फिर काले धब्बे नज़र आने लगे हैं। यूनेस्को द्वारा जयपुर को वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट से बाहर करने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद, नगर निगम और बिजली विभाग की लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है। रामगंज जैसे व्यस्ततम इलाके में गंदगी, टूटे बिजली के तारों और बंद पड़े सरकारी दफ्तरों ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है।

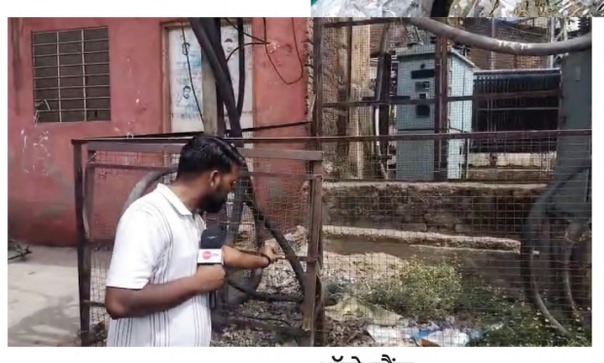

पुलिस थाने के पास कचरे का 'महासंग्राम'

रामगंज पुलिस थाने और मुख्य चौराहे के पास स्थित नगर निगम कार्यालय के ठीक सामने कचरे के ऊंचे-ऊंचे ढेर लगे हुए हैं। विडंबना यह है कि नगर निगम घर-घर कचरा संग्रहण और स्कैनिंग के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन मुख्य सड़कों पर बने 'कचरा डिपो' निगम की पोल खोल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है; सफाई कर्मचारी ऊपर-ऊपर से झाड़ू लगाकर निकल जाते हैं, जिससे मुख्य सड़कों से जुड़ी गलियों में गंदगी जस की तस बनी रहती है।

बीमारी का घर बना 'रामगंज ऑटो स्टैंड'

ऑटो स्टैंड पर काम करने वाले चालकों और स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि पिछले दो महीनों से यहाँ मशीन से सफाई नहीं हुई है। शिकायत करने पर अधिकारी 'मशीन खाली होने' का बहाना बनाकर टाल देते हैं। यहाँ स्थित नाला पूरी तरह जाम हो चुका है, जिससे बरसात का गंदा पानी सड़क और दुकानों के गेट तक फैल जाता है। ठहरे हुए पानी और कचरे के कारण मच्छरों का भारी प्रकोप है, जिससे इलाके में गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा पैदा हो गया है।

बिजली विभाग की जानलेवा लापरवाही

सफाई के साथ-साथ बिजली विभाग भी हादसों को न्योता दे रहा है। चौराहे पर लगा ट्रांसफार्मर पूरी तरह खुला पड़ा है और उसके तार बाहर लटके हुए हैं। सुरक्षा कवच (बॉक्स) टूटा होने के कारण यहाँ कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय निवासियों में डर है कि यदि कोई बच्चा या जानवर इसमें फंस गया, तो इसकी **जिम्मेदारी कौन लेगा?**

अधिकारियों की मनमानी: "वीडियो डाल दो, हमारा क्या जाता है" स्थानीय लोगों ने नगर निगम के अधिकारियों पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया है। एक पीड़ित ने बताया कि जब उन्होंने गंदगी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने की बात कही, तो अधिकारियों ने गैर-जिम्मेदाराना जवाब देते हुए कहा, "वीडियो डाल दो, हमारा क्या जाता है, जब मशीन आएगी तभी सफाई होगी।"

दावों और हकीकत में भारी अंतर

नगर निगम के कार्यालय की स्थिति खुद जर्जर है और वहां ताले लटके रहते हैं। एक ओर निगम के कर्मचारी दावा करते हैं कि उन्होंने हाल ही में जेसीबी लगवाकर सफाई करवाई है, वहीं दूसरी ओर मौके पर मौजूद कीचड़ और सड़न कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। यूनेस्को की चेतावनी के बाद भी इस तरह की लापरवाही यह सवाल खड़ा करती है कि क्या प्रशासन वास्तव में जयपुर की विरासत को बचाने के प्रति गंभीर है?

राजस्थान विश्वविद्यालय में भारी हंगामा
आरएसएस के कार्यक्रम का विरोध कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने खदेड़ा, कई गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विश्वविद्यालय (आरयू) का परिसर शुक्रवार को एक बार फिर जंग के मैदान में तब्दील हो गया। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रम को अनुमति देने के विरोध में एनएसयूआई (NSUI) के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को जबरन मौके से हटाया और कई प्रमुख छात्र नेताओं सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।

कुलपति और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

प्रदर्शन के दौरान छात्र शक्ति ने राजस्थान सरकार और आरएसएस के खिलाफ तीखी नारेबाजी की। एनएसयूआई नेताओं का आरोप है कि कुलपति अपनी 'कुर्सी बचाने' और सरकार को खुश करने के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षिक माहौल को खराब कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जहां विश्वविद्यालय में शिक्षा और प्रोफेसर्स की भर्ती पर बात होनी चाहिए, वहां जबरन एक खास विचारधारा को थोपने का प्रयास किया जा रहा है।

विचारधारा की लड़ाई: "तिरंगे और संविधान का अपमान नहीं सहेंगे"

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेताओं (कार्तिक, अभिषेक मीणा व अन्य) ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह लड़ाई केवल किसी कार्यक्रम के विरोध की नहीं, बल्कि विचारधारा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने वर्षों तक तिरंगे और देश के संविधान का विरोध किया, उन्हें शिक्षित युवाओं के बीच कार्यक्रम करने की अनुमति देना दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्र नेताओं ने हुंकार भरते हुए कहा, "हम सच्चे देशभक्त हैं और विश्वविद्यालय में देश विरोधी विचार रखने वालों का प्रवेश बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमें चाहे कितनी ही बार जेल जाना पड़े, हम पीछे नहीं हटेंगे।"

पुलिसिया कार्रवाई और गिरफ्तारियां

जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़ने की कोशिश की, वहां तैनात भारी पुलिस बल ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे महेश चौधरी, राजेंद्र और कई महिला कार्यकर्ताओं सहित तमाम साथियों को जबरन पुलिस वैन में डालकर हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि विश्वविद्यालय में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह निवारक गिरफ्तारियां की गई हैं।

भ्रष्टाचार और बदहाली का मुद्दा भी गरमाया

आरएसएस के विरोध के साथ-साथ एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, शिक्षकों की कमी और नॉन-टीचिंग स्टाफ की समस्याओं को लेकर भी कुलपति को घेरा। छात्रों का कहना है कि प्रशासन बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान देने के बजाय राजनीतिक एजेंडे को बढ़ावा देने में जुटा है। फिलहाल, विश्वविद्यालय परिसर में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं और गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को रिहा नहीं किया गया, तो प्रदेश भर में आंदोलन तेज किया जाएगा।

जयपुर मोती डूंगरी दरगाह में उर्स, अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी
- कव्वाली, मिलाद और लंगर से गूंजा माहौल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के मोती डूंगरी क्षेत्र में स्थित शहर की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक दरगाहों में शुमार हज़रत सैयद मोहम्मद दुर्वेश शाह कादरी चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह एक बार फिर अकीदत के रंग में रंग गई है। उर्स के मौके पर दरगाह परिसर में खास रौनक देखने को मिल रही है। दूर-दूर से आए अकीदतमंद अपनी दुआओं और मन्नतों के साथ यहां हाज़िरी लगा रहे हैं, जिससे पूरा माहौल रूहानी हो गया है।

मिलाद और कव्वाली से रूहानी माहौल

उर्स का आगाज़ 3 अप्रैल 2026 को हुआ, जहां पहले दिन मिलाद शरीफ का आयोजन किया गया। इसके बाद महफिल-ए-कव्वाली ने समा बांध दिया। सूफियाना कलाम पर झूमते अकीदतमंद और दरगाह पर चढ़ती चादरें इस आयोजन की खास पहचान बनी हुई हैं। रात के समय दरगाह की रोशनी और इबादत का माहौल लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

फातिहा और लंगर का आयोजन

उर्स के दूसरे दिन फातिहा, कुरआन ख्वानी और लंगर का आयोजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल होकर दुआ करते हैं और बरकत हासिल करते हैं। लंगर में सभी धर्मों के लोग एक साथ बैठकर खाना खाते हैं, जो आपसी भाईचारे और इंसानियत की मिसाल पेश करता है।

कमेटी ने किए विशेष इंतजाम

उर्स के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए दरगाह इंतजामिया कमेटी द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। जायरीन की सुविधा के लिए पानी, लंगर, सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उर्स बना भाईचारे का प्रतीक

यह उर्स केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक भी बन चुका है। यहां आने वाला हर व्यक्ति सुकून और सकारात्मक ऊर्जा लेकर लौटता है। जयपुर की यह ऐतिहासिक दरगाह हर साल लोगों को जोड़ने और मोहब्बत का पैगाम देने का काम करती है।

आदर्श नगर के मदरसा तालीमुल कुरआन में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा
- ड्रेस की कमी से बढ़ी शिक्षकों की चिंता
-आदर्श नगर मदरसा बना शिक्षा की मिसाल
-सीमित संसाधनों में बेहतर शिक्षा व्यवस्था

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । आदर्श नगर स्थित मक्का मस्जिद परिसर में चल रहा मदरसा तालीमुल कुरआन एक सकारात्मक उदाहरण बनकर सामने आया है। यहां कक्षा 1 से 5 तक करीब 22 से 25 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। कम संसाधनों के बावजूद बच्चों की पढ़ाई का स्तर काफी अच्छा देखने को मिला।

सही जवाब देकर बच्चों ने किया प्रभावित

मौके पर जब बच्चों से सवाल-जवाब किए गए तो उनकी तैयारी साफ नजर आई। चौथी कक्षा की छात्रा फातमा ने पहाड़े सुनाए, जबकि पांचवीं कक्षा की छात्रा उमेरा से जब पहाड़े पूछे गए, तो उसने दस तक के पहाड़े सुनाए। इसके बाद जब उससे किताब खोलकर पाठ का नाम भी सही पढ़कर बताया। वहीं, फातमा जैनब नाम की छात्रा, जो तीसरी कक्षा में पढ़ती है, उसे 11 तक के पहाड़े याद हैं और उसने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ पहाड़े सुनाकर अपनी पढ़ाई का स्तर साबित किया।

शिक्षकों की मेहनत से निखर रहे बच्चे

पांचवीं कक्षा के छात्र मेरा ने बताया कि यहां शिक्षक अच्छे तरीके से पढ़ाते हैं और हर बच्चे पर ध्यान देते हैं। यही कारण है कि जो बच्चे अन्य जगहों पर कमजोर माने जाते हैं, वे यहां बेहतर प्रदर्शन करते नजर आए।

साफ-सफाई और अनुशासन का अच्छा माहौल

मदरसे में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। शिक्षक नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं और बच्चों की पढ़ाई पर पूरा ध्यान दिया जाता है। नया सत्र शुरू होने के साथ एडमिशन प्रक्रिया भी जारी है।

मदरसा बोर्ड की लापरवाही आई सामने

जहां एक ओर मदरसा बेहतर शिक्षा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं मदरसा बोर्ड की लापरवाही भी सामने आई है। बच्चों को पिछले दो साल से ड्रेस नहीं मिली है, जिससे परेशानी हो रही है। शिक्षकों का कहना है कि अगर समय पर बच्चों को ड्रेस उपलब्ध कराई जाए, तो एडमिशन में काफी बढ़ोतरी हो सकती है और पढ़ाई का स्तर भी और बेहतर हो सकता है।

ड्रेस और बैग जैसी जरूरतें अधूरी

बच्चों को स्कूल बैग जैसी जरूरी सुविधाएं भी नहीं मिल पाई हैं। शिक्षा के लिए जरूरी इन संसाधनों की कमी साफ दिखाई दे रही है, जिस पर संबंधित विभाग को ध्यान देने की जरूरत है।

सरकारी सहयोग से और बेहतर बन सकता मॉडल

कुल मिलाकर यह मदरसा सीमित संसाधनों में बेहतर शिक्षा दे रहा है। अगर सरकारी स्तर पर समय पर सुविधाएं मिलें तो यह मॉडल और भी मजबूत बन सकता है।

समाजसेवी माल्या दम्पती "राष्ट्रीय गुजरात गौरव अवार्ड" से सम्मानित

जयपुर । गुजरात के वलसाड में दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान न्यास और धरधाम इन्टरनेशनल की ओर से हर्टफुलनेस सेन्टर पर आयोजित तीन दिवसीय आत्म उत्कर्ष ध्यान योग शिविर और " राष्ट्रीय गुजरात गौरव अवार्ड समारोह" में समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष समाजसेवी आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ज्योति माल्या को " राष्ट्रीय गुजरात गौरव अवार्ड 2026 " से नवाजा गया। डॉ. माल्या व उनकी धर्मपत्नी को यह अवार्ड समर्पण संस्था द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए हर्टफुलनेस सेन्टर वलसाड के निदेशक डॉ. हिरेन शाह, वस्तु व सेवाकर विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. डी आर रेवाला, दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान न्यास के निदेशक डॉ. अभिषेक कुमार व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विनय श्रीवास्तव ने दिया। यह सम्मान देश भर से चयनित कुल 45 व्यक्तियों को दिया गया। उल्लेखनीय है कि माल्या दम्पती को इससे पूर्व भी उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए अनेक संस्थाएँ सम्मानित कर चुकी है ।

भाजपा से मोहभंग, खाचरियावास के नेतृत्व में दो दर्जन से ज़्यादा कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दो दर्जन से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रताप सिंह खाचरियावास के निवास स्थान पर पहुंचकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सभी का स्वागत करते हुए खाचरियावास ने उन्हें पार्टी की विचारधारा से अवगत कराया। कांग्रेस में शामिल हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि पिछले ढाई साल में भाजपा के दोहरे चरित्र को देखकर उनकी आंखें खुल गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में कार्यकर्ताओं और आम जनता के प्रति कोई सम्मान नहीं है तथा छोटे-छोटे काम भी सरकार के राज में नहीं हो पा रहे हैं। खाचरियावास ने कहा कि भाजपा सरकार जबरन राजस्थान की जनता के घरों में स्मार्ट मीटर लगा रही है, जो सीधे-सीधे आम लोगों की जेब पर डाका है। उन्होंने कहा कि खुद केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्री संसद में यह स्पष्ट कर चुके हैं कि स्मार्ट मीटर जबरन नहीं लगाए जा सकते, इसके बावजूद राजस्थान में

पुलिस और प्रशासन के दबाव में लोगों के घरों में मीटर लगाए जा रहे हैं। यह आम जनता के साथ धोखा है और गरीबों पर सीधा अत्याचार है। खाचरियावास ने जनता से अपील करते हुए कहा कि वे जबरन स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध करें और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भाजपा को सत्ता से बाहर किया जाए और प्रदेश में जनहितकारी सरकार लाई जाए। इस अवसर पर खाचरियावास ने कहा कि अब समय आ गया है उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भाजपा छोड़कर कांग्रेस से जुड़ें, ताकि प्रदेश को मजबूत और जनहितकारी दिशा दी जा सके। इस अवसर पर झोटवाड़ा मंडल अध्यक्ष सतीश झिंगनिया द्वारा अमर सिंह शेखावत, राहुल सिंह शेखावत, नवीन सिंह शेखावत, महिपाल सिंह चारण, सागर राज कुमावत, दिनेश कुमावत, अशोक सिंह रावत, दीपक पांडे, अंकित जोशी, फरदीन खान, प्रताप सिंह शेखावत, विकास शर्मा, ओम प्रकाश बागड़ा, रोहित कुमावत, हर्षित शर्मा सहित दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने झोटवाड़ा नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

पुलिस आयुक्तालय जयपुर ने एलपीजी की कालाबाजारी के संबंध में की कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के निर्देशानुसार विशेष पुलिस आयुक्त ऑपरेशंस ओम प्रकाश के सुपरविजन में पुलिस आयुक्तालय, जयपुर में एलपीजी गैस की बुकिंग एवं सिलेण्डरों की आपूर्ति में देरी संबंधी प्राप्त सभी शिकायतों को विशेष अभियान के दौरान समस्त थानाधिकारीगण को प्रेषित कर त्वरित निस्तारण करवाया जाकर जिला पूर्व में 06 प्रकरण दर्ज कर 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 207 सिलेण्डर, जिला पश्चिम में 07 प्रकरण दर्ज कर 09 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 203 सिलेण्डर, जिला उत्तर में 03 प्रकरण दर्ज कर 01 व्यक्ति को गिरफ्तार 31 सिलेण्डर एवं जिला दक्षिण में 03 प्रकरणों में 01 मुल्जिम को गिरफ्तार 20 सिलेण्डर, इस प्रकार अब तक कुल 19 प्रकरण दर्ज कर 15 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जाकर कुल 461 सिलेण्डर जब्त किये गये हैं। आयुक्तालय जयपुर में स्थित करीब 98 गैस एजेंसियों में सभी को थानाधिकारी, सीएसटी एवं डीएसटी द्वारा निरन्तर चैक करवाया जाकर उच्चाधिकारियों द्वारा संबंधित से निरन्तर फीडबैक लिया जा रहा है। अनियमितता पाये जाने पर तुरन्त कार्यवाही की जा रही है।

पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा बने कोटा शहर व देहात जिला कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी

-युवा नेतृत्व पर जताया भरोसा

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस में युवा नेतृत्व को लगातार प्रोत्साहन देते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने बारां के जमीनी स्तर से उभरे सक्रिय नेता एवं पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा को कोटा शहर एवं कोटा देहात जिला कांग्रेस कमेटी का सह प्रभारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पार्टी संगठन में उनकी सक्रियता, निष्ठा और संगठनात्मक अनुभव का परिणाम मानी जा रही है। किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष रमेशचंद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि धर्मराज मेहरा छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत रायथल के सरपंच, एनएसयूआई एवं युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष, युवा कांग्रेस संगठन चुनाव में बारां-झालावाड़ लोकसभा क्षेत्र के अध्यक्ष, एससी विभाग कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य

किया है। इसके अलावा वे प्रदेश व देश के विभिन्न राज्यों में लोकसभा और विधानसभा उपचुनावों में भी संगठन की कमान संभाल चुके हैं। पार्टी के प्रति उनके समर्पण, सक्रियता और मजबूत संगठनात्मक पकड़ को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे कोटा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है। अपनी नियुक्ति पर धर्मराज मेहरा ने प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व केबिनेट मंत्री एवं अंता विधायक प्रमोद जैन भाया तथा पूर्व राज्य मंत्री एवं हिंडोली विधायक अशोक चांदना का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष कशिश धाकड़, एससी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शिमला बैरवा, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, प्रदेश संयोजक नासिर मिर्जा, अशरफ देशवाली, नेमीचंद नागर, राकेश वाल्मीकि, जितेन्द्र सिंह कुंजेड, मुकेश मीणा, परमानन्द मीणा सहित कई कांग्रेसजनों ने मेहरा की नियुक्ति का स्वागत करते हुए शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया।

आफ़ताबे शेखावाटी का 160 वां सालाना उर्स अपने चरम पर

-नजमुल औलिया कॉन्फ्रेंस का हुआ सफल आयोजन

मोहम्मद अली पठान

फतेहपुर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। फतेहपुर स्थित ऐतिहासिक दरगाह आफ़ताबे शेखावाटी हज़रत ख़्वाजा हाजी मुहम्मद नजमुद्दीन साहिब सुलैमानी चिश्ती अल्फ़ारूक़ी रहमतुल्लाह आलैह का 160 वां सालाना उर्स मुबारक अपने चरम पर है। उर्स के 5 वें दिन देर रात दरगाह में नजमुल औलिया कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें बीजापुर कर्नाटक की दरगाह हाशिम पीर के सज्जादानशीन आए देश के मशहूर मुस्लिम स्कॉलर सय्यद मुहम्मद तनवीर हाशमी ने इस्लाम धर्म मे ग़रीबों मुहताजों से मुहब्बत और सिलह रहमी पर चर्चा की। शहज़ादा ए हुज़ूर नसीरे मिल्लत पीर गुलामे नजम ने अपने प्रवचन में सूफ़ीवाद करने पर चर्चा की। राजकोट से आए अंतरराष्ट्रीय नात ख्वां शब्बीर बरकाती ने अपनी मधुर आवाज में नातें पढ़ कर समां बाँधा। कार्यक्रम का संचालन

आफ़ाक़ अहमद नजमी और क़ारी इब्राहीम नूरी ने किया। आखिर में सज्जादा नशीन व मुतवल्ली हुज़ूर नसीरे मिल्लत ने देश मे अमन चैन व भाई चारे की दुआ माँगी। कल 7 अप्रैल को क़दीमी शाही चादर का जुलूस दोपहर 2 बजे शाही लवाजमे के साथ मुहल्ला चेजारान से रवाना हो कर मुख्य बाजार से गश्त करता हुआ शाम 7:30 बजे दरगाह शरीफ पहुंचेगा जहां सज्जादानशीन व मुतवल्ली पीर गुलाम नसीर उसे अपने सर पर ग्रहण कर मुख्य मज़ार पर पेश करेंगे। 8 अप्रैल को कुल की रस्म के साथ उर्स का विधिवत समापन होगा। उर्स के दौरान देश के कोने-कोने से हज़ारों ज़ायरीन दरगाह पहुंच रहे हैं। उर्स के दौरान रोज़ाना क़ुरान ख्वानी, सुबह शाम लंगर, दिन में व रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक क़व्वाली की महफ़िल का आयोजन हो रहा है जिसमें मुल्क के नामवर क़व्वाल क़व्वालियाँ पेश कर रहे हैं। मेले में लगे झूले व दुकानों पर मेले में आए जायरीन की भीड़ देखते ही बनती है।

करौली पुलिस की कार्रवाई में अवैध स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

हनीस शेख

करौली (रॉयल पत्रिका)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत करौली पुलिस को एक और सफलता मिली है। एसपी लोकेश सोनबाल के निर्देशन में थाना सदर हिंडौन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान थाना अधिकारी पुरुषोत्तम के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए आरोपी परवतसिंह उर्फ कल्ला मीना (उम्र 26 वर्ष) को पकड़ा, जिसके पास से 5.88 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 90 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। पूछताछ में अवैध मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिलने की संभावना है। पुलिस का कहना है कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपखंड अधिकारी मनीषा रेशमने कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय पावटा का किया निरीक्षण दिए आवश्यक निर्देश

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड क्षेत्र के ग्राम पावटा में चल रहे कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण उपखंड अधिकारी सुश्री मनीषा रेशम ने सोमवार को किया। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी मनीषा रेशम को साफ़ सफ़ाई की व्यवस्था अच्छी नहीं मिली जिस पर उपखंड अधिकारी ने नाराजगी जताते हुए आवासीय विद्यालय में टायलेट्स की प्रतिदिन साफ़ सफाई कराने के निर्देश दिए गए। उपखंड अधिकारी ने आवासीय विद्यालय में रसोई घर में साफ़ सफ़ाई रखने वभोजन मेनू अनुसार बनाये जाने के साथ भोजन की गुणवत्ता में और सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण

के दौरान आवासीय विद्यालय में बालिकाओ की उपस्थिति 64/22 ही मिली। जिस पर उपखंड अधिकारी ने कम मिली छात्राओं के लिए छात्रावास अधीक्षिका को पैरेंट्स से बात कर बालिकाओं को हॉस्टल भेजने हेतु संपर्क करने हेतु निर्देशित दिए गए। उपखंड अधिकारी ने आवासीय विद्यालय में सुझाव/ शिकायत हेतु गरिमा पेटी नियमित स्थान पर व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। उपखंड अधिकारी ने छात्रावास में कलेक्टर महोदय एवम एसडीएम महुवा के दूरभाष नंबर लिखवाने हेतु निर्देशित किया गया।

भाजपा ने मनाया स्थापना दिवस

जिला कार्यालय को सजाया रंगोली और फूल मालाओ से, जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने फहराया पार्टी का झंडा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस समारोह आज जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्य एवं भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजेन्द्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे । कार्यक्रम के शुभारंभ पर अतिथियों ने जिला कार्यालय पर पार्टी का झंडा फहराया उसके बाद संगोष्ठी आयोजित हुई । संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने पार्टी के इतिहास और विकास यात्रा पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि हम उस पार्टी के कार्यकर्ता जिसका ध्येय गरीब कल्याण एवं अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को सरकार की जनकल्याण योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, मानसिंह गुर्जर ने कहा कि हमारी पार्टी आज के समय में विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक

पार्टी बनकर आम जनता के बीच उभरी है और हमें गर्व है कि हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय योजना के सपने को साकार कर रहे है । संगोष्ठी को मुख्य वक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया उन्होंने कहा कि हम उस पार्टी के कार्यकर्ता है जिसको डॉ. श्यामप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे सादगीपूर्ण लोगों ने खड़ा किया, आज उनके संघर्ष का परिणाम है हमारा राजनैतिक दल विश्व का सबसे बड़ा दल माना जाता है। उन्होंने स्थापना दिवस के अवसर पर स्व. भैरोसिंह शेखावत की जीवनी एवं उनके आमजन से सादगीपूर्ण व्यवहार पर भी प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि पार्टी का 47वाँ स्थापना दिवस हम बड़े ही हर्ष के साथ मना रहा रहे है, पूरे देश में करोड़ों कार्यकर्ता आज अपने-अपने घरों पर झंडा लगाकर सोशल मीडिया पर सेल्फी अभियान चला रहे है, पार्टी कार्यालयों को बेहतरीन ढंग से रंगोली, पोस्टर बैनर एवं फूल मालाओं से सजाया गया है। संगोष्ठी कार्यक्रम में राष्ट्रीय परिषद सदस्य ओमप्रकाश डांगोरिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य केदारलाल मीणा, प्रदेश कार्यालय सहप्रभारी देवेन्द्र कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष बजरंगलाल जाट, सुरेशचंद जैन, डॉ. भरतलाल मथुरिया, नगर सभापति शिवरतन अग्रवाल, खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी, गंगापुर प्रधान मंजू गुर्जर मंचासीन रहे ।

चूरू में जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल महाराज का एक दिवसीय सत्संग हुआ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शिक्षक भवन चूरू में जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल महाराज का एक दिवसीय सत्संग हुआ। तहसील स्तरीय कार्यक्रम में सैंकड़ों लोगों ने एल ई डी के माध्यम से संत रामपाल महाराज के प्रवचन सुने। उल्लेखनीय है कि संत रामपाल महाराज की प्रेरणा से आसपास के कई लोग नशा छोड़ चुके हैं। बिना दहेज के विवाह किए जाते हैं। अन्नपूर्णा मुहिम के तहत हजारों लोग हमेशा लाभान्वित हो रहे हैं। लोग संत रामपाल महाराज को भगवान मानने लगे हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निवास स्थान पर झंडा फहरा कर मनाया स्थापना दिवस

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी पाली केन्द्रीय व प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी के नेतृत्व में सभी विधानसभाओं में प्रत्येक बुथ पर व प्रत्येक कार्यकर्ताओ व सभी सम्मानित जनप्रतिनिधिगण व पदाधिकारीगण के निवासस्थल पर पार्टी ध्वज पहराया जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया कि आज पार्टी के स्थापना दिवस पर आदरणीय प्रदेश अध्यक्ष मदनजी राठोड जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी पुर्व विधायक ज्ञानचंद पारख पुर्व सभापति महेंद्र बोहरा पुर्व नगर सुधार न्यास अध्यक्ष सजय ओझा के आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओ ने पार्टी ध्वजारोहण किया इस अवसर पर स्थापना दिवस पर कार्यक्रम प्रभारी राजेंद्र बोराणा ने कहा की आज हम पार्टी का 47 वा स्थापना दिवस मना लेकिन हमारा सफर आसन नही

रहा हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ताओ ने अपना जीवन खफा दिया बहुत संघर्ष कर के आज हम इस मुकाम पर पहुंच हमारे बहुत कार्यकर्ताओ ने कठिन परिश्रम और बलिदान दिया है पार्टी की नीव कार्यकर्ता है जो बुथ से लेकर मंडल तक पार्टी के लिए समर्पण भाव से काम कर रहे है इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी ने कहा जिले के सभी 1934 बुथ पर कार्यक्रम आयोजित होगे व पार्टी ध्वजारोहण होगा व स्वस्था व सेवा के कार्य होगो इस अवसर पर जिला महामन्त्री दिग्विजयसिंह राठोड देविलाल मेघवाल मगलाराम देवासी रामकिशोर साबु सिवपकाश पजापत गौतम यति मुलसिह भाटी मडल अध्यक्ष सुरेश पवार गोपाल बजारा मानवेंद्र सिंह भाटी सुदर्शनसिह उदावत गुमान सिंह रावत मनोहर कवर राजेंद्र किसान भवरनाथ योगी अशोक तलेसरा अभिचेक दुगड राजेश परमार सहित उपस्थित रहे।

हज के मुकद्दस सफर पर हाजियों का 20 अप्रैल से हवाई सफर शुरु

-केंद्रीय हज कमेटी ने हज यात्रा का शेड्यूल जारी किया

जयपुर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। इस वर्ष की हज यात्रा के लिए केंद्रीय हज कमेटी, मुंबई ने शेड्यूल जारी कर दिया है। इस बार राजस्थान से कुल 4584 यात्री (जयपुर से 742) मुकद्दस सफर पर जाएंगे। इनमें से 3480 यात्री जयपुर एयरपोर्ट से मदीना के लिए उड़ान भरेंगे। हज यात्रियों को लेकर पहला विमान 20 अप्रैल को जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रवाना होगा।

इस वर्ष हज यात्रा के लिए फ्लाईनेस एयरलाइंस को जिम्मेदारी दी है। इसके बड़े विमानों से हर उड़ान में करीब 430 यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। 28 अप्रैल तक जयपुर से कुल नौ उड़ानें संचालित होंगी। हज कमेटी से जुड़े पूर्व सदस्य हाजी शाहिद मोहम्मद ने बताया कि जिन यात्रियों ने सुविधा अनुसार अन्य एम्बार्केशन पॉइंट (एयरपोर्ट) चुने हैं, वे चुने हुए शहर के रिपोर्टिंग स्थल पर पहुंचकर हज यात्रा की प्रक्रिया पूरी करें। इनमें दिल्ली से 449, अहमदाबाद से 235 और मुंबई से प्रदेश के 420 यात्री अपने मुकद्दस अप्रेल को पहला विमान जयपुर से भरेगा उड़ान उड़ानें संचालित होंगी 28 अप्रेल तक (जयपुर एयरपोर्ट से) ये सामान ले जा सकेंगे प्रत्येक हज यात्री 20-20 किलो की दो अटैची और सात किलो के हैंडबैग सहित 47 किलो वजन ले जा सकेगा। जरूरी जानकारी यात्रियों के लिए खास निर्देश जिन यात्रियों ने फ्लाइट ऑनलाइन बुक कर ली है, वे अपनी यात्रा तिथि से एक दिन पहले रिपोर्टिंग पॉइंट पहुंचे और ओरिजनल पासपोर्ट व जरूरी दस्तावेज साथ लेकर जाएं। ऑनलाइन बुकिंग नहीं करने वाले यात्री हज कमेटी की ओर से तय तारीख से दो दिन पहले रिपोर्टिंग स्थल पहुंचकर यात्रा से जुड़ी जरूरी प्रक्रिया पूरी करें। टीकाकरण अनिवार्य जिन यात्रियों ने अभी तक यात्रा के लिए आवश्यक टीकाकरण नहीं करवाया है, वे 19 अप्रेल की सुबह 11 बजे रिपोर्टिंग पॉइंट पर पहुंचकर टीका लगवाएं और अपनी मेडिकल डायरी प्राप्त करें। हाजी निजामुद्दीन, महासचिव, राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी किट में यह मिलेगा यात्रियों को पहले दिन हज हाउस से वीजा और आने-जाने का टिकट मिलेगा। साथ ही किट में आइ कार्ड, स्मार्ट वॉच, स्टील और प्लास्टिक का ब्रेसलेट और हज गाइड मिलेगी।

ज्योतिष योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने सनातन कलेंडर किए भेंट

बारां (रॉयल पत्रिका) । ज्योतिष वास्तु योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने भारतीय सनातन कलेंडर श्री गायत्री दैनिक पंचांग वितरित किए। संस्थान जिला संयोजिका हेमलता सोन ने बताया कि संस्थान अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य डॉ सुगन नागर द्वारा निर्मित यह कलेंडर भारतीय महिनों पर आधारित है। व्रत त्योहारों और मुहूर्त इसमें दिए गए हैं। हेमलता सोन ने यादव समाज महिला मंडल को कलेंडर भेंट कर साथ ही बाबा साहब डॉ भीमराव जन्मोत्सव 14 अप्रैल रैली को भव्य बनाने के लिए आमंत्रण किया की ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर अपनी भागेदारी निभाने।

राजेंद्र सिंह राठौड़ का जन्म दिवस 21 अप्रैल संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाएगा

-अमर शहीद लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की बैठक जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा के साथ ली। बैठक में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष गोपाल बालाण के साथ अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं को बताया कि आगामी 21 अप्रैल को हम सभी कार्यकर्ता हमारे प्रिय नेता राजेंद्र राठौड़ जी का जन्मदिवस "संकल्प दिवस" के रूप में मनाएंगे, साथ ही अमर शहीद लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा। इसलिए सभी कार्यकर्ता अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित हो। इस ऐतिहासिक आयोजन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर एवं केंद्रीय मंत्री सम्मिलित होंगे।

मनीषा कुमारी बैरवा ने रोशन किया गांव का नाम

-कक्षा 12वीं में विज्ञान वर्ग में 94.60% अंक हासिल कर मनीषा ने समाज का गौरव बढ़ाया

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। पाखर चौड़ाकी गांव में खुशियों का माहौल है। यहां के किसान परिवार की बेटी मनीषा कुमारी बैरवा ने कक्षा 12वीं में विज्ञान वर्ग में 94.60% अंक हासिल कर गांव और समाज का नाम रोशन किया है। मनीषा की इस उपलब्धि पर गांव के लोगों में खुशी की मांहौल है। मनीषा के घर पहुंचकर sc ब्लॉक अध्यक्ष मंडावर रामचन्द्र प्रधान, जिला महासचिव अशोक कुमार पाखर,पंचायत समिति सदस्य श्रीमती इंदिरा देवी पाखर, रेखा देवी sc ब्लॉक उपाध्यक्ष मंडावर सतीश चन्द्र वेदवाल, नन्दलाल लोको पायलट, जिला सचिव दौलत खेड़ली, काडूराम नागरवाल, धर्मेंद्र कुमार, राहुल उच्चेनवाल, दौलत राम पाखर, संतोष धवन, ताराचंद, प्रदीप बैरवा आदि समाज के गणमान्य नागरिकों ने मनीषा को बधाई दी। उन्होंने मनीषा को माला और सुवाफा पहनाकर मुंह मीठा कराया और 2100 रुपए का नगद पुरस्कार देकर उसका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर अध्यक्ष ने कहा कि मनीषा की इस उपलब्धि से गांव और समाज का नाम रोशन हुआ है। उन्होंने कहा

कि मनीषा की इस सफलता से अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे भी मेहनत करके अपने लक्ष्यों को हासिल करेंगे। अशोक कुमार बताया कि समाज की बेटी ने अपनी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि वे अपनी समाज की बेटी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह आगे भी इसी तरह सफलता हासिल करने वाले बच्चे बच्ची हौसला अफजाई करते रहेंगे । मनीषा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। उसने कहा कि उनकी मेहनत और समर्थन के बिना यह संभव नहीं था। उसने कहा कि वह आगे भी मेहनत करेगी और अपने लक्ष्यों को हासिल करेगी।

चूरू में राज्य स्तरीय क्रिकेट टीम चयन के लिए ट्रायल 12 अप्रैल को

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला क्रिकेट संघ चूरू के तत्वावधान में राज्य स्तरीय सीनियर एवं अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु चुरू जिले की टीम का चयन हेतु आगामी 12 अप्रैल रविवार को ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है।संघ के संयुक्त सचिव जगदीश शर्मा ने बताया कि ट्रायल चूरू स्थित व्यायाम शाला क्रिकेट एकेडमी में प्रस्तावित है। ट्रायल में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ी सफेद ड्रेस में अपनी किट के साथ एकेडमी कोच भंवर वीरेंद्र सिंह को रिपोर्ट करें। संघ के दीपक स्वामी ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे कंप्यूटराइज्ड जन्म प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, विगत 3 वर्षों की स्कूल अंक तालिका, अपना व अपने माता-पिता का आधार कार्ड साथ लेकर आना होगा। संघ के संयुक्त सचिव मुरारी लाल शर्मा ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को चैलेंजर प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद प्रदर्शन के आधार पर उनका अंतिम चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी मई में प्रस्तावित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नि:शुल्क यूनानी चिकित्सा पद्धति परामर्श शिविर का आयोजन कल

कैथून (रॉयल पत्रिका)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर सब्र क्लिनिक, कोटा के तत्वावधान में दरगाह हज़रत मलंग शाह बाबा चौक, गादीगाल, कैथून में नि:शुल्क यूनानी एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति परामर्श शिविर दिनांक 07 अप्रैल, मंगलवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर में डॉ. राजिक हुसैन, डॉ. ज़ीनत अपनी सेवाएं देंगे जिसमें गर्दन दर्द, कमर दर्द, पीठ दर्द, कन्धे दर्द, जोड़ दर्द, घुटनों में दर्द, साइटिका, गठिया, स्लिप डिस्क, पथरी, बवासीर, अस्थमा, पुरुष व स्त्री रोग, बालों का झड़ना, चर्म रोग एवं मौसमी बीमारियों का नि:शुल्क उपचार दिया जाएगा इसके साथ ही हिज़ामा थैरेपी (कपिंग थैरेपी) तथा मसाज थैरेपी भी की जाएगी।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

नया क़ानून न्याय के मूल सिद्धांत का उल्लंघन - एडवोकेट अंसार इंदौरी

-इजरायल के नए फांसी कानून के विरोध में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद को लिखा पत्र

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मानवाधिकार अधिवक्ता अंसार इंदौरी द्वारा आज संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद जिनेवा को एक पत्र ज़रिए ईमेल भेजा गया है, जिसमें इजरायल द्वारा हाल ही में पारित किए गए नए फांसी-मृत्युदंड कानून का विस्तृत विरोध किया गया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। उन्होंने अपने पत्र में कई बातें उठाई हैं। पत्र में लिखा गया है कि यह कानून फैसले के लिए सर्वसम्मति की आवश्यकता हटाकर मौत के दंड को सरल बहुमत से देने की संभावना खोलता है, जिससे न्यायिक गलतियों की संभावना बढ़ जाती है। इसके तहत अपील, दंडह्रास और क्षमा जैसे अवसर अत्यधिक

सीमित किए गए हैं, जिससे फिलिस्तीनी कैदियों को उचित न्यायिक समीक्षा और न्यायिक निरीक्षण से वंचित करने का खतरा पैदा होता है। कानून स्पष्ट रूप से पश्चिमी तट में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों के विरुद्ध युद्ध क्षेत्रीय न्यायालयों के जरिए लागू होता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार जातीय-आधारित भेदभाव, असमान दंड और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है। पत्र में फांसी द्वारा निष्पादन को क्रूर, अमानवीय और अपमानजनक दंड के रूप में चिन्हित करते हुए इसके विशेष रूप से एक विशेष समुदाय के विरुद्ध लक्षित उपयोग की मजबूत निंदा की गई है। इस पत्र के माध्यम से मानवाधिकार अधिवक्ता ने परिषद से अपील की है कि वे इस मामले पर ध्यान दें। इजरायल को निर्देश दिया जाए कि वह भेदभावपूर्ण और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के विपरीत बने इस कानून को वापस ले और अपने मानवाधिकार दायित्वों का पालन करे।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु की मौजूदगी में भव्य समापन

-मालेगांव ने जीता अखिल भारतीय शूटिंग बॉल का खिताब

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । अन्नपूर्णा क्लब, बारां के तत्वावधान में कोटा रोड स्थित खेल संकुल मैदान में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय ओपन शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का गुरुवार रात भव्य समापन आतिशबाजी और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हुआ। देशभर से आई टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचक मुकाबलों का आनंद कराया। पूरे आयोजन के दौरान मैदान खेलप्रेमियों से खचाखच भरा रहा। आयोजन समिति के अध्यक्ष निर्मल माथोडिया एवं सचिव भीमराज चैधरी ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन उच्च स्तरीय व्यवस्थाओं के साथ किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चैधरी ने की। विशिष्ट अतिथियों में क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम वर्मा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग, भरत मारन सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने कहा कि बारां जिले के सभी नागरिकों को नशे एवं धूम्रपान से मुक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा, जिसमें युवाओं और खिलाड़ियों का विशेष योगदान अपेक्षित बताया। उन्होंने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस सदैव आमजन एवं खिलाड़ियों की सहायता के लिए तत्पर है और किसी भी नागरिक को पुलिस से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। संरक्षक चंद्रप्रकाश सांखला, अरविंद त्यागी एवं चंद्रप्रकाश राठौर ने बताया कि प्रतियोगिता में सोलापुर, जामनेर, नवी मुंबई, मालेगांव, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं

कोटा सहित देशभर की टीमों ने भाग लिया। अंतिम दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और कौशल का परिचय दिया। चेतन राठौर, सुरेंद्र शर्मा एवं महेंद्र पोटर ने बताया कि फाइनल मुकाबला मालेगांव और हरियाणा की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें मालेगांव की टीम ने 2-1 सेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। हरियाणा की टीम उपविजेता रही, जबकि दिल्ली एवं नवी मुंबई की टीमों ने क्रमशः तीसरा एवं चैथा स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को 21,000 रुपये, उपविजेता को 15,000 रुपये, तृतीय स्थान प्राप्त टीम को 7,100 रुपये एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त टीम को 5,100 रुपये की पुरस्कार राशि, ट्रॉफी एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गए। बेस्ट नेटर का खिताब दिल्ली टीम के खिलाड़ी विकास गुर्जर को तथा बेस्ट शूटर का पुरस्कार पंजाब के खिलाड़ी अरमान को दिया गया। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं अंपायरों को भी सम्मानित किया गया। छोटूलाल सुमन, चंद्रमोहन शर्मा, रघुनंदन नागर, गणेश नरवाल, मुकेश धाकड़ एवं रामप्रहलाद वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान देर रात तक द्वूधिया रोशनी में मैच खेले गए, जिससे आयोजन का आकर्षण और बढ़ गया। संयोजक हंसराज सिंह गौड़ ने सभी खिलाड़ियों, आयोजन समिति, जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन, भामाशाहों एवं खेलप्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दर्शकों ने भी पूरे उत्साह के साथ खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। समापन अवसर पर रंगारंग आतिशबाजी ने आयोजन को यादगार बना दिया और पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। सुरेंद्र राठौर, हंसराज मीणा, प्रेमनारायण नागर, मोनू तिवारी आदि ने बताया कि ऐसा भव्य आयोजन 40 वर्ष बाद दुबारा बारां की धरती पर हुआ है।

खंडेलवाल महिला मंडल ने किया लोकसभा का भ्रमण

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कोटा खंडेलवाल महिला मंडल का 80 सदस्यों का दल लोकसभा भ्रमण पर संसद भवन पहुंचा जहां उन्होंने वर्तमान लोकसभा की कार्यप्रणाली के बारे में जाना और गौरव का अनुभव किया। अध्यक्ष ममता खंडेलवाल ने बताया कि संसद यात्रा का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही समाज की महिला मंडल में बेहद खुशी का माहौल था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री म्यूजियम, राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट, अमर जवान ज्योति पर परेड देखी और दिल्ली के प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया। इस सफलता के साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। महिला मंडल की ओर से अध्यक्ष ममता खंडेलवाल ने लोकसभा अध्यक्ष का साफा पहनाकर एवं सचिव दिव्या खंडेलवाल ने शॉल औढाकर सम्मान किया। इस आयोजन की सफलता में संगीता, संगीता गुप्ता, ज्योति, ममता तोडवाल, निर्मला नैनीवाल, डिम्पल, बिंदु, बोर्ड सदस्य चंदा खंडेलवाल, कोशल घिया, कुसुम खंडेलवाल, बृजबाजा खंडेलवाल तथा हीना का विशेष सहयोग रहा।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस कोटा का शैक्षिक विकास एवं स्वरोजगार सहायता पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। शहर में रविवार 05 अप्रैल को डी सी एम् रोड स्थित चिमनी वाले बाबा दरगाह केम्पस में एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस कोटा (ए एम पी, कोटा) की जानिब से शिक्षा के महत्व व स्वरोजगार सहायता पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार प्रोग्राम की अध्यक्षता हाजी रफीक़ मोहम्मद संरक्षक अलफतह मस्जिद कंसुआ ने की। विशिष्ट अतिथियों में उर्दू प्रोफेसर नुसरत फातिमा राजकीय महाविद्यालय कोटा, अरशद अंसारी चेयरमैन वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप, मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट क्लिनिक के उपाध्यक्ष हाजी मुख्तार हुसैन अंसारी, सी ए इस्लाम खान, हाजी मुमताज अली चेप्टर हेड झालावाड़, अली

अफज़ल खान अध्यक्ष अलफतह मस्जिद ने स्टेज की शोभा बढ़ाई । ए एम पी क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी ने ए एम पी की गतिविधियों और प्रोग्रेस की जानकारी दी। केरियर प्वाइंट की BPT छात्रा को 70000/- , व महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय की GNM छात्रा को 47400/- तथा रामगंजमंडी की एक महिला को स्वरोजगार हेतु 45000/- की सहायता राशि के स्वीकृति प्रपत्र दिए गए। इसके साथ पांच महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई। प्रोग्राम में AMP भामाशाहों मुस्लिम खान, रऊफ अंसारी, डॉ ए डी खिलजी, डॉ फहद शेख, अतीक अहमद, फारूक खां, मौहम्मद हुसैन मंसूरी , इंजीनियर बी टी खान, डॉ ए आर पठान, मुख्तार शेख , शाहरुख शेख, सुहेल शेख तथा समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाले ज़हूर अहमद, अनवर शेख, नियामतुल्लाह अंसारी, इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, रिज़वान जैड, फैजुल हक अंसारी, अब्दुल सलाम, अब्दुल मजीद अंसारी, सैफ अली, अनवार अहमद, हसन जुबेर, शाहिद मोहम्मद, शोएब अख्तर, तौसीफ अंसारी आदि को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्त में ए एम पी कोटा चेप्टर सेक्रेट्री शाहनवाज़ खान ने सबका आभार व्यक्त किया। प्रोग्राम का संचालन रिज़वानुद्दीन अंसारी ने किया। प्रोग्राम की तैयारी में कोटा चेप्टर हेड क़मरूज़्ज़मान खान, चैप्टर सेक्रेट्री शाहनवाज़ खान, हसन जुबेर, रईस खान पिंटू, डॉ. फारूख खान तथा ए एम पी कोटा की पूरी टीम का सराहनीय प्रयास रहा ।

रामगंजमंडी के जसविंदर सिंह विक्की को राष्ट्रीय कमेटी में मिली जिम्मेदारी

रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस अ ल्प सं ख्य क विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्र ता प गढ़ी ने पांडिचेरी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर गठित संगठनात्मक कमेटी में रामगंजमंडी के जसविंदर सिंह विक्की को सदस्य नियुक्त किया है। इस कमेटी में शिबली मंजूर को समन्वयक बनाया गया है। जसविंदर सिंह विक्की की नियुक्ति से क्षेत्र में राजनीतिक भविष्य की कामना की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जसविंदर सिंह विक्की की सक्रियता, संगठन के प्रति समर्पण और निरंतर मेहनत के चलते उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे नई भूमिका को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे। इस अवसर पर जसविंदर सिंह विक्की ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस काम को पूरी लगन निष्ठा के साथ करेगा ।

राईन समाज का स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

-शहर काजी की मौजुदगी में मृत्युभोज परम्परा को बंद करने का लिया संकल्प

कोटा (रॉयल पत्रिका)। जमीयतुल राईन विकास समिति के अध्यक्ष शकील अहमद ने बताया की अनार वाले बाबा ग्राउंड में राईन समाज की इज़्तेमाई गौठ व भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह शनिवार 04 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जिसमे 35 प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया जिसमें मुख्य रूप से कुरआन हाफिज और आलीमा कोर्स की सनद हासिल करने वाले, डॉक्टर्स और 10वी व 12वी कक्षा में 75 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वालो छात्र छात्राओं सहित समाज के वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अथिति शहर काजी ज़ुबैर अहमद साहब, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम और सर्वोदया एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन ए०जी०मिर्ज़ा रहे। संस्था के सचिव जोनी राईन ने

बताया कि समाज के सभी लोगो ने शहर क़ाज़ी की मौजूदगी में पुराने समय से चली आ रही मृत्युभोज (तीजे और चालीसवे) की परंपरा को बंद करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कच्छ-भुज, गुना, बारां, टोंक, उनियारा, भीलवाड़ा राईन पंचायत से आये प्रतिनिधियों का भी स्वागत किया गया। संस्था की ओर से आगामी नवम्बर माह में 20 जोड़ो का सामुहिक निःशुल्क विवाह सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। सरपरस्त हाज़ी यूनुस ने सभी मेहमानों को शॉल और माला पहनाकर इस्तक़बाल किया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष मुजफ्फर राईन व शरजील राईन ने किया।

राज्य सरकार ओला वृष्टि व आग लगने की घटनाओं पर प्रभावित किसानों की सहायता कर उनको क्षतिपूर्ति राशी प्रदान करे

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सौशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया SDPI राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अशफाक हुसैन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राज्य के किसानों के हित को देखते हुए स्थानीय विधायकों एवं सांसदों से यह अपील करती है कि हाल ही में बेमौसम बारिश और ओले गिरने से किसानों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है उसके लिए अभी तक किसी भी प्रकार के मुआवज़े या क्षतिपूर्ति की कोई कार्यवाही शुरु नहीं हुई यद्यपी राजनेताओं ने इस बाबत वक्तव्य दिए हैं परन्तु आज तक कोई ठोस कार्यवाही शुरु नहीं हुई, कुछ किसान अभी इस सदमें से उभरे भी नहीं थे कि अन्य खेतों में आग लगने की घटनाओं से कई बीघाओं की फसलें जल कर नष्ट हो गईं। ज्ञात रहे किसान इन फसलों से अपने कई लक्ष्यों को निर्धारित करतें हैं जब उनकी फ़सलें चौपट

होंगी तो किसानों को आर्थिक और मानसिक संताप से गुज़रना पड़ेगा। लिहाज़ा ऐसे में जिन क्षेत्रों में इस प्रकार की कोई भी प्राकृतिक दुखांतिका की घटनाएँ हुई हैं वहां के जन प्रतिनिधियों चाहे विधायक, मंत्री या सांसद हैं उनको को मानवीय आधार पर अपने अपने क्षेत्र के किसानों को संकट की इस घड़ी में उनके साथ रह कर तुरंत राजकीय सहायता दिलानी चाहिए ताकि जितना संभव हो उनको मदद पहुँच सके।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग बारां के पूर्व अध्यक्ष शाहिद कुंडी के जन्मदिन के अवसर पर शनिवार 04 अप्रैल को दिन भर शुभकामनाओं ओर बधाईयों के संदेश उन्हें मिलते रहे। शाम को जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी के नेतृत्व में उनके निजी आवास पर पूर्व जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी का केक काटकर, शॉल ओर माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष रहते शाहिद कुंडी ने कांग्रेस को मजबूती दी और पूर्व मंत्री व अंता विधायक प्रमोद

जैन भाया ओर पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल की मंशा के अनुरूप सभी को एक साथ लेकर चले, जिससे कि आज जिले भर में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की टीम मजबूत हुई है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, एडवोकेट असलम भारती, कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी, समाजसेवी शेख बहादुर, पूर्व पार्षद नियाज़ मोहम्मद, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, साबिर खान प्रॉपर्टी, पूर्व प्रदेश सचिव रईस फैजी शायर, कय्यूम गोरी, हसन खान प्रॉपर्टी सहित कई लोग मौजूद रहे।

महवा में भाजपा का 47 वां स्थापना दिवस मनाया

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय पर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल महवा शहर द्वारा भाजपा का 47 वां स्थापना दिवस मनाया। महवा भाजपा शहर महामंत्री श्यामसुन्दर सारवान ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अंबेडकर भवन पर भाजपा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष टीकमसिंह गुर्जर ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की । इस अवसर एडवोकेट टीकमसिंह गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हम सबके लिए यह गौरवशाली अवसर राष्ट्रसेवा, सुशासन एवं अंत्योदय के संकल्पों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करने का प्रतीक है। 47 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुई इस यात्रा में कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, अनुशासन एवं सांगठनिक निष्ठा ने ही भाजपा को आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया है। इस दौरान वक्ताओं ने भाजपा की रीति नीति के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए कार्यकर्ताओं को अवगत कराया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष टीकमसिंह गुर्जर, रामचन गुप्ता, विजय सिंह चौहान, श्यामसुंदर सारवान, नेमीचंद अग्रवाल, वेद गुप्ता, अवधेश, गोविंद सैन, दामोदर साहू, नरेंद्र शर्मा, हरिश्चंद्र सैनी, राहुल सैनी, अरविंद पालीवाल, हरचन्द कोली, नंदकिशोर शर्मा, लोकेश महावर, रोहित शर्मा, केशव सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तकमील-ए-कुरआन का कार्यक्रम हुआ

-110 बच्चों को इस्तकबाल किया गया

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। शेरपुर के होटल नूर बाग रणथंबोर रोड में मदरसा फैजुल कुरान शेरपुर के कुरआन की तालीम हासिल करने वाले 110 बच्चों का इस्तकबाल किया गया। जिसकी सदारत मोहम्मद उमर पूर्व सदर एवं शेख मुस्लिम समाज अध्यक्ष शेरपुर ने की जिसमें सभी तालीम हासिल करने वाले बच्चे-बच्चियों को माला पहनाकर हौंसला बढ़ाया गया। प्रोग्राम में सवाई माधोपुर शहर से मेहमान-ए-खास के तौर पर तशरीफ लाए मुफ्ती हैदर ने कुरआन के तर्जुमे के साथ बयान पेश किए उन्होंने बताया कि मोहम्मद उमर प्रोग्राम के संयोजक ने अपनी मेहनत दौलत ओर खिदमत से एक बेहतरीन प्रोग्राम रखा है, उन्होंने कहा कि ऐसे

प्रोग्राम होते रहने चाहिए जिससे बच्चों का हौंसला बढ़े ओर दीनी तालीम की तरफ बच्चे बढ़े। जिससे मिल्लत का फायदा हो, आने वाली नस्लें अदब ओ एहतराम इज़्ज़त ओर दीन से जुड़ सके ओर दुनिया ओर आखरत में कामयाब हो जाए। प्रोग्राम में तशरीफ लाए ओर प्रोग्राम की शान बढ़ाने में हाफिज मोहम्मद उमर, गोरी मोहम्मद, शफी, डॉक्टर अलीम होटल टाइगर मून मैनेजर, अबरार अहमद सरपंच सूरवाल, जाहिद खान पूर्व उपाध्यक्ष रणथंबोर नेचर गाइड एसोसिएशन ओर मोहम्मद साबिर व अन्य जिम्मेदार लोगों मौजूद रहे।

हज एवं उमराह प्रशिक्षण के लिए कैंप 12 अप्रैल को

-मदरसा सैयदना तोकिर उलूम कैंम्पस में लगेगा हज ट्रेनर कैंप - इमरान सरकेल

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से हज और उमराह का मुकद्दस सफर शुरू करने से पहले ज़रूरी जानकारी और रहनुमाई हासिल करने के लिए फ्री सेवा केम्पस लगाया जा रहा है हज ट्रेनर इमरान सरकेल ने बताया कि यह कैंप सैनिक बस्ती स्थित मदरसा सैयदना तौकीर उलूम के कैंम्पस में 12 अप्रैल को सुबह 9:00 बजे से लगाया जाएगा जिसमें ट्रेनिंग लेने वाले हज यात्रियों के लिए सभी तरह की व्यवस्थाएं दी जाएगी। इमरान सरकेल ने बताया कि यह एक रिफरेंस कैंम्प है जिसमें नई हज कमेटी की तरफ से आई हुई। तमाम अपडेट्स और गाइडलाइंस के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। हाजियों के लिए खास तोहफा (गिफ्ट्स)कैंप में शिरकत करने वाले हाजियों को दिया जाएगा एक हदीया किट दी जाएगी। जिसमें हैन्ड बैग- स्लीपर बैग- तस्बीह -हज मुकद्दस गाइड बुक- दी जाएंगी।

जरूरी सूचना:-

इस कैम्प में आगामी दिनों में हज व उमराह पर जाने वाले सभी हुज्जाज-ए-किराम सादर आमंत्रित हैं। सफर की बारीकियों और कागजी कार्रवाई को समझने का यह बेहतरीन मौका है।

इसमें हज से जुड़े हुए 10 सदस्यों का सम्मान किया जायेगा:-

1. हाजी युसूफ खान चौहान शिक्षाविद् (हज खिदमत)
2. डॉ अहसान गौरी (हाजी वेक्सीनेसन)
3. डॉ. साजिद चौहान (हज फिटनेस सर्टिफिकेट)
4. हाजी उस्मान गनी खा दिलावरखानी शिक्षाविद् (सदर मदरसा सैयदना तौकीर -उलूम)
5. मोहम्मद अली पठान ब्यूरो चीफ (पत्रकारिता क्षेत्र में)
6. सलीम खान सर्वा (राहत वैलफेयर सोसायटी)
7. इशाक खान (बालिका शिक्षा)
8. इकरा जकात फाउंडेशन
9. गफ्फार भाटी (हज खिदमतगार)
10. शेख असलम अतारी (दावते -इस्लामी)

जिला हज कमेटी द्वारा बेहतरीन सेवा देने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

लीजा रे

'कसूर' से मिली फिल्म इंडस्ट्री में पहचान

कैंसर से जीती जंग, 'आफरीन' गर्ल की कहानी

अभिनेत्री और मॉडल लीजा रे की कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि हौसले, संघर्ष और जिंदगी से कभी हार न मानने की मिसाल भी है। कनाडा की इस खूबसूरत एक्ट्रेस ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की और 'कसूर' से मिली फिल्म इंडस्ट्री में पहचान, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई, घातक कैंसर को हराया और सरोगेसी के जरिए दो प्यारी जुड़वा बेटियों की मां बनीं। साल 1996 में नुसरत फतेह अली खान के मशहूर गाने 'आफरीन-आफरीन' में उन्होंने पहली बार स्क्रीन पर धमाल मचाया। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म 'नेताजी' से अभिनय की शुरुआत की। साल 2001 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ जब उन्होंने आफताब शिवदासानी के साथ हिंदी फिल्म 'कसूर' से बॉलीवुड एंट्री की। इस थ्रिलर फिल्म में उनकी एक्टिंग और खूबसूरती दोनों को खूब सराहा गया। गानों में भी वे काफी प्रभावशाली नजर आईं। इसके बाद साल 2004 में दीपा मेहता की फिल्म 'वॉटर' आई, जो ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। इस फिल्म ने लीजा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग स्किल्स को नई ऊंचाई दी। लीजा रे की जिंदगी आसान नहीं रही। साल 2009 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा नामक ब्लड कैंसर का पता चला। यह बीमारी बहुत खतरनाक होती है और ज्यादातर लोग इससे हार मान लेते हैं। लेकिन लीजा ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने इलाज कराया और साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर इस बीमारी पर जीत हासिल की। कैंसर से उबरने के बाद भी वे दवाइयों पर निर्भर रहीं, लेकिन अपनी जिंदगी को नई दिशा देने में लगी रहीं। कैंसर पर काबू पाने के बाद लीजा ने बॉलीवुड में वापसी की। साल 2015-2016 में रिलीज हुई फिल्म 'इश्क फॉरएवर' से उन्होंने फिर से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके अलावा उन्होंने 'वीरप्पन' जैसी फिल्म में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी मेहनत और सकारात्मक सोच की वजह से वह आज भी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। निजी जिंदगी में भी लीजा ने कई चुनौतियों का सामना किया। कैंसर के इलाज की वजह से उनकी प्राकृतिक मातृत्व की संभावना प्रभावित हो गई थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2012 में उन्होंने जेसन देहनी से शादी की। इसके बाद दंपति ने सरोगेसी का रास्ता चुना। साल 2018 में जॉर्जिया के टिबिलिसी में सरोगेसी के जरिए उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं, जिनका नाम उन्होंने सूफी और सोलेल रखा। लीजा ने खुद इंस्टाग्राम पर इस खुशी को शेयर किया था। उन्होंने लिखा था कि मां बनने की खुशी शब्दों में बयां नहीं की जा सकती। आज लीजा अपनी दोनों बेटियों के साथ खुशहाल जिंदगी बिता रही हैं। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर बच्चों और परिवार के साथ अपनी तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं।

संजय गुप्ता ने VFX को लेकर पुराना ट्वीट शेयर किया:कहा- रिलीज से पहले खुद की तारीफ नहीं की जाती, क्या रामायण पर तंज कसा?

संजय गुप्ता ने आतिश, कांटे, काबिल, शूटआउट एट वडाला जैसी फिल्में डायरेक्ट की हैं। - डायरेक्टर संजय गुप्ता एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में एक पुराना ट्वीट दोबारा शेयर किया, जिसमें उन्होंने बड़ी फिल्मों के VFX और उनके प्रमोशन के तरीके पर कमेंट किया था। इस ट्वीट में उन्होंने द मैट्रिक्स, द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स, अवतार, ड्यून और स्टार वार्स जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा था कि इन फिल्मों ने अपने शानदार विजुअल इफेक्ट्स के बावजूद रिलीज से पहले खुद की तारीफ नहीं की, बल्कि उनका काम खुद बोलता था। संजय गुप्ता का यह ट्वीट ऐसे समय में सामने आया है, जब फिल्म रामायण के VFX को लेकर चर्चा हो रही है। ऐसे में उनके इस ट्वीट को रामायण के संदर्भ में जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले भी संजय गुप्ता खबरों में आ चुके हैं, जब उन्होंने ट्वीट किया था, 'खोदा पहाड़ निकला चूहा',जिसे लोगों ने फिल्म रामायण के टीजर पर तंज माना था, क्योंकि उनका यह ट्वीट रामायण में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर का लुक सामने आने के बाद किया गया था। हालांकि, बाद में उन्होंने साफ किया था कि उनका बयान किसी खास फिल्म के लिए नहीं था। फिल्म रामायण से भगवान राम का लुक हनुमान जयंती पर सामने आया। टीजर में युद्ध के सीन और शानदार VFX भी दिखे, जिसकी कई लोगों ने तारीफ की है। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने फिल्म के सीन्स को हॉलीवुड फिल्मों की नकल बताया। टीजर में दिखाए गए युद्ध के सीन (लंका में) कुछ यूजर्स को हॉलीवुड फिल्मों जैसे लगे। कुछ ने इसे गेम ऑफ थ्रोन्स या अन्य हॉलीवुड फिल्मों से प्रेरित बताया।

करिश्मा कपूर

मां बबिता को याद करके छलके आंसू, बोलीं- 'मैं जो भी हूं, उनकी वजह से हूं'

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने 90 के दशक में लगातार कई हिट फिल्में दीं और खुद को टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल किया। कपूर खानदान से होने के बावजूद उनका सफर आसान नहीं था, उनके सामने इंडस्ट्री की चुनौतियां थीं। लेकिन मां के साथ की वजह से वह हर चुनौती को पार कर गई, और आज वह अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपनी मां बबीता को देती हैं। उन्होंने खुलकर बताया कि कैसे उनकी मां ने हर मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया और उन्हें मजबूत बनाया। करिश्मा कपूर हाल ही में सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के एक खास एपिसोड में नजर आईं। इस दौरान शो के होस्ट आदित्य नारायण ने उनकी मां बबिता का जिक्र करते हुए कहा कि करिश्मा के करियर में उनका काफी सपोर्ट रहा है। उनकी मां ही असली सुपरस्टार हैं। यह सुनकर करिश्मा इमोशनल हो गईं। भावुक होते हुए करिश्मा ने कहा, ''मेरी मां मेरे लिए भगवान जैसी हैं। मैं जो भी हूं, मां की वजह से हूं। यूं तो परिवार के सभी लोगों ने मेरा साथ दिया, लेकिन मेरी मां ने मुझे जो आत्मविश्वास और संस्कार दिए, वही मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी ताकत बने। आज मैं जो कुछ भी हूं, उसका पूरा श्रेय मैं अपनी मां को देती हूं।''करिश्मा कपूर ने इस दौरान अपनी मां के फिल्मी करियर के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया, ''मां ने हिंदी सिनेमा में बहुत कम समय के लिए काम किया, लेकिन उस छोटे से करियर में भी उन्होंने कई सफल फिल्में दीं। यह उनकी प्रतिभा और मेहनत का सबूत है कि कम समय में ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली थी।''उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उस दौर के बड़े और दिग्गज कलाकारों जैसे राजेश खन्ना, जितेंद्र, मनोज कुमार और धर्मेंद्र के साथ काम किया।

कविता कौशिक

ने बताया 'कप्तान' के लिए क्यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही एक बातचीत में दौरान अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है। 'कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था। 'अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी। 'अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है। '

राजकुमार राव के प्रोडक्शन की पहली फिल्म 'टोस्टर' का ट्रेलर आउट

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा और राजकुमार राव की आगामी फिल्म 'टोस्टर' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। यह फिल्म एक ऐसे आदमी के बचत करने के पक्के इरादे की कहानी है, जो चाहे कुछ भी हो जाए, बचत करना नहीं छोड़ता है। ट्रेलर में राजकुमार राव रमाकांत नामक प्यारे और सीधे-सादे कंजूस के रोल में दिख रहे हैं। रमाकांत को लगता है कि हर बचाया हुआ रुपया उसकी बड़ी जीत है। वह रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजों से भी ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश करता है और जिस चीज पर एक बार पैसे खर्च कर देता है, उसे आसानी से जाने नहीं देता। रमाकांत बचत करने के मामले में एक बिल्कुल ही नए स्तर पर पहुंच जाता है। कहानी में मोड़ तब आता है, जब रमाकांत और उसकी पत्नी एक शादी में किसी को टोस्टर गिफ्ट करते हैं। बाद में उसे पता चलता है कि उस कपल का तलाक हो गया और टोस्टर दान कर दिया गया। यह सुनकर वह परेशान हो जाता है और टोस्टर वापस लाने के लिए निकल पड़ता है। टोस्टर वापस लाने की इस कोशिश में वह खुद और अपने आसपास के लोगों को अजीब और मुश्किल हालात में फंसा देता है। वह जितनी बार चीजों को ठीक करने की कोशिश करता है, उतनी ही ज्यादा परेशानी बढ़ती जाती है। फिल्म को लेकर अभिनेता राजकुमार राव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'फिल्म 'टोस्टर' मेरे लिए एक खास फिल्म है क्योंकि यह हमारे प्रोडक्शन हाउस, 'कम्पा फिल्म' के तहत हमारी पहली फिल्म है और इसे पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। मैं फिल्म की कहानी को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए सच में बहुत उत्साहित हूं।

धुरंधर 2: रणबीर सिंह ने 48 डिग्री टेंपरेचर में किया शूट, मेकअप आर्टिस्ट ने खोले राज

मेकअप और प्रोस्थेटिक आर्टिस्ट करणदीप सिंह ने धुरंधर: दि रिवेंज के क्लाइमेक्स की शूटिंग के दौरान की मुश्किलों और कड़ी मेहनत के बारे में खुलकर बात की है। करणदीप सिंह ने सेट के अपने अनुभवों को शेयर करते हुए रणवीर सिंह के कमाल के डेडिकेशन की तारीफ की और बताया कि कैसे उस हाई-ऑक्टेन सीक्वेंस को शूट करने के लिए एक्टर ने शारीरिक और मानसिक तौर पर गजब का जज्बा दिखाया। करणदीप ने याद करते हुए कहा कि हम लुधियाना के बाहरी इलाके में शूटिंग कर रहे थे और तापमान लगभग 47 से 48 डिग्री के आसपास था। वहां दूर-दूर तक एक भी पेड़ या छांव नहीं थी। उन्होंने बताया कि आसपास की हर मेटल की सतह से गर्मी निकल रही थी। एक तरफ गाडियां थीं, दूसरी तरफ कंटेनर और पास में ही मालगाडियां खड़ी थीं। हम इस सबके बिल्कुल बीच में शूटिंग कर रहे थे। करणदीप ने कहा कि फाइट सीक्वेंस के दौरान रणवीर एक कंटेनर से दूसरे कंटेनर पर कूद रहे थे। गर्मी की वजह से वो कंटेनर सच में तप रहे थे। हम हर दिन रणवीर पर जितना खून इस्तेमाल करते थे, वो यकीन के बाहर था। हमने एक हफ्ते में खून की पूरी बाल्टी खत्म कर दी थी। उन्होंने बताया कि पंखे और एसी वहां थे, लेकिन गर्मी इतनी थी कि कुछ भी काम नहीं कर रहा था। इतनी तपिश थी कि हम ठीक से खाना तक नहीं खा पा रहे थे।

प्रभास की फिल्म 'फौजी' के सेट से तस्वीरें हुईं लीक तो मचा हड़कंप, मेकर्स ने दी सख्त एक्शन की चेतावनी

प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' के सेट से कुछ तस्वीरें लीक हो गई हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों को यूजर्स भी धड़ल्ले से शेयर कर रहे हैं। यह देख फिल्म के मेकर्स ने तस्वीरें सर्कुलेट करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन की चेतावनी दी है। 'फौजी' एक तेलुगू फिल्म है, जिसका काफी समय से इंतजार है। इसमें प्रभास के ऑपोजिट इमानवी हैं। फिल्म को हनु राघवपुडी ने डायरेक्ट किया है। हाल ही 'फौजी' के सेट से तस्वीरें लीक हुईं, तो मेकर्स तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने X पर फिल्म के लीक कंटेंट को लेकर यूजर्स को चेतावनी दी कि वो इसे सर्कुलेट न करें। जो ऐसा करेगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। प्रभास की फिल्म 'फौजी' के ऑफिशियल X अकाउंट से लिखा गया, 'हमें पता चला है कि कुछ अकाउंट 'फौजी' के सेट से लीक हुई तस्वीरें फैला रहे हैं। प्लीज इसे एक सख्त चेतावनी समझें- ऐसे किसी भी कंटेंट को रिपोर्ट किया जाएगा और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई की जाएगी।'

(साभार एजेंसी)

आईपीएल 2026: रोहित शर्मा के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से हो रही है। मुंबई के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 26 गेंदों में 35 रन बनाए। रोहित ने अपनी इस पारी के दौरान एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रोहित शर्मा आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। इसके साथ ही वह आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दिल्ली के खिलाफ 35 रनों की अपनी पारी में रोहित ने एक छक्का लगाया। रोहित दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 51 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है। धोनी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं।

वहीं, इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 61 छक्के लगाए हैं। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रयान रिकेल्टन बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 गेंदों का सामना करने के बाद महज 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक वर्मा को मुकेश कुमार ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने तीसरे विकेट के लिए रोहित शर्मा के साथ मिलकर 53 रन जोड़े। रोहित 26 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में 141 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 51 रन बनाए।

मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में तीन बदलाव किए हैं। पूरी तरह से फिट ना होने की वजह से हार्दिक पांड्या यह मुकाबला नहीं खेल रहे हैं और उनकी जगह पर दीपक चाहर को शामिल किया गया है। वहीं, ट्रेंट बोल्ट के स्थान पर कॉर्बिन बॉश और अल्लाह गजनफर की जगह पर मिचेल सैंटनर को टीम में शामिल किया गया है।

गिल का न होना गुजरात टाइटंस के लिए बड़ा झटका था: अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में साई सुदर्शन की पारी पर बात की और कहा कि जिस तरह से सुदर्शन ने अपनी पारी की शुरुआत की उससे पता चलता है कि वह अपनी ताकत को अच्छी तरह समझते हैं। सुदर्शन ने सिर्फ 44 गेंदों में 73 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन यह काफी नहीं था, क्योंकि टाइटन्स ने अहम मौकों पर विकेट गंवा दिए जिससे शनिवार शाम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इस सीजन के अपने पहले घरेलू मैच में उन्हें दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा।

अश्विन ने जियोस्टार पर कहा, साई सुदर्शन जानते थे कि शुभमन आज नहीं खेल रहे हैं, इसलिए उन्हें खुद ही मोर्चा संभालना था। जिस तरह से उन्होंने शुरुआत की, उससे पता चलता है कि वह अपनी ताकत को समझते हैं। उन्होंने गेंद की गति का अच्छा इस्तेमाल किया, गेंद को थर्ड मैन की तरफ मोड़ा, और फिर फ्रंट फुट पर कुछ अच्छे कवर ड्राइव खेले। जडेजा के आते ही उन्होंने तुरंत उन पर प्रहार किया, गेंद की गति का फायदा उठाया, और उसके बाद एक स्लॉग स्वीप भी खेला।

पायल नाग ने महिला कम्पाउंड फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की युवा पैरा तीरंदाज पायल नाग ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए शीतल देवी को हराया। पायल ने पैरा तीरंदाजी सीरीज के महिला कम्पाउंड वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पैरा तीरंदाजी में एक नया सितारा उभर कर सामने आया है। बैंकॉक में महिला कम्पाउंड वर्ग के फाइनल में पायल नाग ने विश्व चैंपियन शीतल देवी को हराकर पैरा तीरंदाजी सीरीज में स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में दो भारतीय आमने-सामने थे और 18 वर्षीय पायल ने ये मुकाबला 139-136 के अंतर से जीता। पायल का यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्वर्ण पदक है। 19 वर्षीय शीतल के हालिया शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह परिणाम और भी उल्लेखनीय है।

टेस्ट के लिए बीसीसीआई का स्पेशल प्लान, श्रीलंका का दौरा, लक्ष्मण को जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टेस्ट क्रिकेट की बढ़ोतरी के लिए प्रयासरत है। खबर है कि रेड बॉल फॉर्मेट को प्रमोट करने के लिए बीसीसीआई ने खास प्लान तैयार किया है। अंडर-19 और अंडर-25 स्तर के क्रिकेट पर भी बड़े फैसले लिए जाने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के डायरेक्टर वीवीएस लक्ष्मण और उनकी टीम भी रेड बॉल क्रिकेट पर अधिक ध्यान लगाएगी। रिपोर्ट्स अनुसार भारत की अंडर-19 और अंडर-25 टीम टेस्ट मैच सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करने वाली है। भारत की अंडर-19 टीम ने हाल ही में आयुष म्हात्रे की कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। इस टेस्ट सीरीज में वैभव सूर्यवंशी भी खेलते हुए दिख सकते हैं।

बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसी साल जून और जुलाई के महीने मेंटूर्नामेंट आयोजित करने जा रहा है। मतलब आईपीएल 2026 के समापन के ठीक बाद खूब सारी लाल गेंद की क्रिकेट खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में 4-दिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसका उद्देश्य टेस्ट फॉर्मेट के लिए ऐसे सुपरस्टार खिलाड़ी तैयार करना है, जो भविष्य में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर सकें। बताया जा रहा है कि इस टूर्नामेंट में 64 युवा क्रिकेटर खेलते हुए दिख सकते हैं। इन सभी 64 खिलाड़ियों की उम्र 25 साल से कम होगी। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड ऑफ क्रिकेट वीवीएस लक्ष्मण उस प्रतिभा को खोजने में अहम भूमिका निभाएंगे, जो इस इंट्रा-ष्टह्रश्व टूर्नामेंट में खेलेंगे। रिपोर्ट अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं, कोचों को भी टेस्ट फॉर्मेट के नए सुपरस्टार खिलाड़ी तैयार करने का संदेश भेजा जा चुका है।

अधिकारी पर लगा यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और करियर बर्बाद करने की धमकी देने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी इस वक्त एक गलत वजह से चर्चा में है। दरअसल हॉकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी पर यौन उत्पीड़न, अपने पद का दरुपयोग और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है। इस तरह के आरोप के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर फिर से गंभीर चिताएं उठ खड़ी हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक

एक गुमनाम ईमेल शीर्ष अधिकारियों के पास भेजा गया है जिसमें इन आरोपों का जिक्र किया गया है। जिन अधिकारियों के पास ये मेल भेजा गया है उसमें हरि रंजन राव (निदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण), कल्पना शर्मा (निदेशक, साई, आंतरिक शिकायत समिति) और दिलीप तिर्की (अध्यक्ष, हॉकी इंडिया) शामिल हैं। अधिकारियों के पास भेजे गए ईमेल में हॉकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी पर महिला अधिकारियों, कोचों और खिलाड़ियों के साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया गया था साथ ही ये भी बताया गया है कि उस अधिकारी ने खिलाड़ियों से अनुचित तस्वीरें भी मांगी थी। यही नहीं उस अधिकारी पर अपनी सत्ता का दुरुपयोग करके निजी मेल-जोल के लिए मजबूर करने, बार-बार अवांछित कॉल करने और यहां तक कि करियर बर्बाद करने की धमकी देने के भी आरोप लगे हैं। इस मेल में उस अधिकारी पर जबरन वसूली का भी आरोल लगाया गया है जिसमें उन्होंने कोचिंग और अन्य पेशेवर अवसरों के बदले पैसों की मांग की थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस मामले पर कहा कि हमें एक गुमनाम शिकायत मिली है और हॉकी इंडिया में हम उत्पीड़न के आरोपों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। इस मामले की पूरी तरह से जांच करने के लिए एक स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाएगी।

43 साल की उम्र में कमाल !

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एंडरसन की घातक गेंदबाजी

56वीं बार पारी में पांच विकेट झटके

लंदन (एजेंसी)। क्रिकेट में अक्सर उम्र के साथ खिलाड़ियों की धार कम होती दिखती है, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो इस धारणा को पूरी तरह गलत साबित कर देते हैं। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज सर जेम्स एंडरसन उन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने 43 साल की उम्र में भी अपनी स्विंग और सटीकता से बल्लेबाजों को परेशान करना जारी रखा है।

काउंटी क्रिकेट में एंडरसन ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए पारी में पांच विकेट झटके। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का 56वां पांच विकेट हॉल है। लंकाशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने नॉर्थैम्पटनशायर के खिलाफ यह कारनामा किया। एंडरसन ने 13 ओवर में 64 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

- **बल्लेबाजों पर टूटा कहर** – एंडरसन की गेंदबाजी के आगे विपक्षी बल्लेबाज टिक नहीं पाए। उन्होंने टॉप और मिडिल ऑर्डर को झकझोरते हुए अहम विकेट निकाले। उनकी स्विंग और लाइन-लेंथ इतनी सटीक थी कि बल्लेबाजों के पास जवाब नहीं था। खास बात यह रही कि इस उम्र में भी उनकी फिटनेस और रिदम बिल्कुल युवा गेंदबाजों जैसी नजर आई।
- **अनुभव बना सबसे बड़ा हथियार** – 43 साल की उम्र में इस तरह का प्रदर्शन दिखाता है कि एंडरसन का अनुभव ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। लंबे समय तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का फायदा उन्हें हर गेंद में नजर आता है। उनका यह प्रदर्शन युवा गेंदबाजों के लिए भी सीख है कि सिर्फ रफ्तार ही नहीं, बल्कि कंट्रोल और निरंतरता भी उतनी ही जरूरी है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में उथल-पुथल, तीन निदेशकों ने दिया इस्तीफा

ढाका (एजेंसी)। ढाका में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की बैठक हुई। बैठक के बाद बीसीबी को बड़ा झटका लगा। कुछ ही घंटों के भीतर तीन निदेशकों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। फैयाजुर रहमान, शानियान तनीम और मेहराब आलम चौधरी ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। बीसीबी में चुनाव के छह महीने से भी कम समय में इस्तीफा देने वाले निदेशकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है, जो चिंताजनक है।

इससे पहले जनवरी में इश्तियाक सादिक ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ा था। वहीं, पिछले महीने अमजद हुसैन को मीडिया अध्यक्ष पद से हटाए जाने के कुछ दिन बाद उन्होंने भी इस्तीफा दे दिया। गुरुवार को सरकार द्वारा नामित निदेशक यासिर मोहम्मद फैसल ने भी पद छोड़ा था। इसके बाद शनिवार को हुए तीन इस्तीफों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

शनिवार की मीटिंग की अध्यक्षता बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम ने की। मीटिंग में ऐसा क्या हुआ जिसकी वजह से तीनों निदेशक इस्तीफा देने पर मजबूर हुए, इसका खुलासा नहीं हुआ है। मीटिंग के बाद नए मीडिया विभाग के नए अध्यक्ष मोहम्मद मोक्सेडुल कमाल ने बताया कि उन्हें भी फैयाजुर के इस्तीफे की जानकारी मीडिया के जरिए ही मिली।

उन्होंने कहा कि बोर्ड में इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई और इस्तीफा देने वालों ने अपने फैसले को व्यक्तिगत कारणों से जोड़ा है। फैयाजुर ने हाल ही में ढाका लीग के संचालन में बीसीबी की कथित निष्क्रियता की आलोचना की थी। यह आंतरिक असंतोष की ओर इशारा करता है।

154 की रफ्तार वाला नया तूफान

गुजरात के गेंदबाज अशोक शर्मा ने आईपीएल 2026 में डाली सबसे तेज गेंद, मचा दी सनसनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में एक नया तेज गेंदबाज चर्चा का केंद्र बन गया है। उस गेंदबाज का नाम है अशोक शर्मा। गुजरात टाइटंस के इस युवा पेसर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में 150 किमी/घंटा की रफ्तार को दो बार पार किया। उन्होंने 16वें ओवर में पहले डोनोवन फरेरा के खिलाफ 150.7 किमी/घंटा की गेंद डाली, फिर आखिरी गेंद पर ध्रुव जुरेल को 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से चौंका दिया। यह आईपीएल 2026 की अब तक की सबसे तेज गेंद है।

टॉप स्पीड में भी टक्कर – अशोक शर्मा की यह गेंद उन्हें इस सीजन का सबसे तेज गेंदबाज बना देती है। दूसरे नंबर पर एनरिक नॉर्त्जे (150.9 किमी/घंटा) हैं। सिर्फ अपने दूसरे आईपीएल मैच में अशोक ने लगातार 145+ की स्पीड से गेंदबाजी कर संकेत दे दिया है कि वे भविष्य के बड़े स्टार बन सकते हैं।

रफ्तार के साथ जोखिम भी – अशोक शर्मा की रफ्तार ने सभी को प्रभावित किया है, लेकिन लगातार तेज गेंदबाजी के साथ चोट का खतरा भी बढ़ता है।

सीएसकेने कर दी बड़ी गलती, समीर रिजवी लगातार 2 मैच जिताकर बने दिल्ली कैपिटल्स के हीरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में समीर रिजवी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलते हुए रिजवी ने लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच जीतकर टीम को जीत दिलाई है। उनकी शानदार बल्लेबाजी ने उन्हें सीजन का बड़ा मैच विनर बना दिया है।

समीर रिजवी को आईपीएल 2024 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने 8.4 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन एक साल बाद उन्हें रिलीज कर दिया गया। इसके बाद देहली केपीटल्स ने उन्हें सिर्फ 95 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल कर लिया। अब वही खिलाड़ी दिल्ली के लिए मैच विनर साबित हो रहा है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस सीएसके को जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

मुंबई के खिलाफ खेली तूफानी पारी, ऑरेंज कैप पर कब्जा

मुंबई इंडियंस के खिलाफ 163 रनों का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम मुश्किल में थी, लेकिन रिजवी ने 51 गेंदों पर 90 रनों की शानदार पारी खेलकर मैच पलट दिया। अपनी पारी में उन्होंने 7 चौके और 7 छक्के लगाए। इससे पहले उन्होंने लखनऊ के खिलाफ नाबाद 70 रन बनाए थे। लगातार दो मैचों में शानदार प्रदर्शन के दम पर अब रिजवी ऑरेंज कैप होल्डर बन गए हैं।

व्यक्तिगत टिप्पणी के चलते कमेंट्री बॉक्स से दूर हुए युवराज सिंह

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कमेंट्री नहीं करने की वजह का खुलासा किया है। हाल ही में स्पोर्ट्स तक से बातचीत में युवराज ने बताया कि वह कमेंट्री बॉक्स में इसलिए नहीं बैठना चाहते क्योंकि कुछ लोगों ने उनके खेल की बजाय उन पर व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से उन्होंने कमेंट्री से दूरी बनाए रखने का फैसला किया।

'जिन लोगों ने पर्सनल कमेंट किए, उनके साथ नहीं बैठ सकता'

युवराज सिंह ने खुलकर कहा, अब जब मैं रिटायर हो चुका हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर पर्सनल कमेंट किए। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है। लेकिन जब बात पर्सनल हो जाती है तो वो बातें हमेशा याद रहती हैं। मैं उन लोगों के साथ बैठकर कमेंट्री नहीं करना चाहता जिन्होंने मेरे ऊपर पर्सनल कमेंट किए। यही वजह है कि मैं कमेंट्री नहीं करता। कमेंट्री क्रिकेट के बारे में बात करने के लिए शानदार प्लेटफॉर्म है, लेकिन यह एक कारण है जिसकी वजह से मैं इससे दूर हूं।

कमेंट्री की जगह कोचिंग और बिजनेस पर फोकस

युवराज सिंह के कई पूर्व साथी खिलाड़ी आज कमेंट्री कर रहे हैं, लेकिन युवराज ने इस रास्ते की बजाय कोचिंग और अपने बिजनेस पर ध्यान देना चुना है। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उन्हें आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

- **युवा खिलाड़ियों के मेंटर बने युवराज** –युवराज सिंह पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के करियर में मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन की भी मुश्किल दौर में काफी मदद की थी, जब वह लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। युवराज ने बताया, संजू सैमसन 8-10 पारियों में रन नहीं बना पा रहा था और लगातार फेल हो रहा था। ऐसे समय पर आपको खुद से कहना पड़ता है कि कुछ बदलना होगा। वह उस स्टेज पर पहुंच गया था जहां उसे लग रहा था कि टीम की प्लेइंग इलेवन में उसकी जगह नहीं बन रही है। मैंने 2-3 आईपीएल सीजन से उसकी बल्लेबाजी देखी थी, इसलिए मैंने उससे बात की।
- **सैमसन को दी थी फुटवर्क सुधारने की सलाह** – युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी। मैंने संजू से कहा कि तुम्हें अपना फुटवर्क सुधारना होगा। अगर फुटवर्क अच्छा नहीं होगा तो तुम्हें लगातार परेशानी होगी। रन बनाना अलग बात है, लेकिन फुटवर्क सुधारना बहुत जरूरी है। मैंने उसे फुटवर्क सुधारने के कुछ तरीके भी बताए।

ईरान द्वारा लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद लापता अमेरिकी सैन्यकर्मी बचाया गया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह कहा कि ईरान द्वारा लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद से लापता अमेरिकी सैन्यकर्मी को बचा लिया गया है। विमान के चालक दल का यह सदस्य शुक्रवार से लापता था, जब ईरान ने अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल विमान को मार गिराया था। चालक दल के एक अन्य सदस्य को पहले ही बचा लिया गया था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि पायलट घायल है, लेकिन वह बिल्कुल ठीक हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उसने ईरान के दुर्गम पहाड़ी इलाकों में शरण ली थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, बचाव अभियान में दर्जनों विमान शामिल थे और अमेरिका उसकी लोकेशन पर 24 घंटे नजर रखे हुए था तथा उसके बचाव की सावधानीपूर्वक योजना बना रहा था।

यह लड़ाकू विमान फरवरी के अंत में शुरू हुए संघर्ष के बाद ईरानी क्षेत्र में गिरने वाला पहला अमेरिकी विमान था। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका ने ईरान को चकनाचूर कर दिया है और वह युद्ध को बहुत जल्दी खत्म कर देगा। इसके दो दिन बाद ईरान ने दो अमेरिकी सैन्य विमानों को मार गिराया, जिससे बमबारी में कमजोर होने के बावजूद ईरानी सेना की जवाबी क्षमता का संकेत मिला। दूसरा गिराया गया विमान अमेरिकी ए-10 अटैक एयरक्राफ्ट था। उसके चालक दल की स्थिति और दुर्घटना स्थल की सटीक जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं हो सकी। शुक्रवार को एफ-15 ई विमान के गिरने के बाद अमेरिका ने तेजी से खोज और बचाव अभियान चलाया, जो ईरान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत कोहगिलुएह और बोयर-अहमद के पहाड़ी क्षेत्र पर केंद्रित था। ईरान ने दुश्मन पायलट की जानकारी देने वालों के लिए इनाम की भी घोषणा की। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने शनिवार को दावा किया कि उसने शुक्रवार को दो अमेरिकी ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टरों को भी निशाना बनाया, हालांकि एसोसिएटेड प्रेस इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं कर सका। वहीं, कुवैत में ईरान के ड्रोन हमले के कारण दो बिजली संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचा है और एक जल विलवणीकरण संयंत्र ने काम करना बंद कर दिया। बिजली मंत्रालय के अनुसार, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बहरीन में, राष्ट्रीय तेल कंपनी ने बताया कि ड्रोन हमले के कारण उसके एक भंडारण केंद्र में आग लग गई, जिसे बाद में बुझा दिया गया। कंपनी के मुताबिक, नुकसान का आकलन अभी जारी है और इस घटना में भी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में पेट्रो-रसायन संयंत्र में रविवार को हुए हमले के बाद आग लग गई।अबू धाबी के अधिकारियों ने बोरूज पेट्रो-रसायन संयंत्र में आग लगने की घटना पर तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि आग वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम किए जाने के बाद गिरे मलबे के कारण लगी। इस घटना के कारण संयंत्र में उत्पादन फिलहाल ठप हो गया है। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के साथ 28 फरवरी को शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है। इसने वैश्विक बाजारों को हिलाकर रख दिया है, अहम समुद्री मार्गों को बाधित कर दिया है और ईंधन की कीमतों में तेज उछाल ला दिया है। ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य खोले या फिर विनाशकारी परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा, समय तेजी से बीत रहा है 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, संयुक्त सैन्य कमान के प्रमुख जनरल अली अब्दुल्ला अलीबादी ने ट्रंप की हालिया धमकी के जवाब में कहा, यदि ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया, तो दुश्मनों के लिए जहन्नुम के दरवाजे खोल दिए जाएंगे। हालांकि, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने द एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि संघर्षविराम कराने की उनकी सरकार की कोशिशें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इस्लामाबाद ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह जल्द ही अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता की मेजबानी करेगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया तो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर हमले किए जाएंगे: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर अवरुद्ध होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और पुलों पर हमले किए जाएंगे। ट्रंप ने रविवार सुबह एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर जलमार्ग को समुद्री यातायात के लिए नहीं खोला गया, तो ईरान को नरक में भेज दिया जाएगा। इससे पूर्व, ट्रंप ने दो हफ़्ते पहले हमले की धमकी दी थी, लेकिन उन्होंने जलमार्ग को खोलने की समयसीमा दो बार बढ़ाई थी। उन्होंने कहा था कि कि ईरानियों के साथ बातचीत में कुछ सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, युद्ध के कूटनीतिक समाधान की दिशा में प्रगति होने के संकेत बहुत कम दिखे हैं।

संयुक्त अरब अमीरात में पेट्रो-रसायन संयंत्र में हमले के बाद लगी आग

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के एक पेट्रो-रसायन संयंत्र में रविवार को हुए हमले के बाद आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अबू धाबी के अधिकारियों ने बोरूज पेट्रो-रसायन संयंत्र में आग लगने की घटना पर तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि आग वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम किए जाने के बाद गिरे मलबे के कारण लगी। इस घटना के कारण संयंत्र में उत्पादन फिलहाल ठप हो गया है। संबंधित संयंत्र संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सऊदी अरब से सटी पश्चिमी सीमा के पास रुवैस में स्थित है, और यह अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी तथा ऑस्ट्रेलिया की बोरेलिस का संयुक्त उद्यम है।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमले किए जाने के बाद से उड़ानें बाधित

एयर इंडिया ने इजराइल के लिए 31 मई तक अपनी उड़ानें निलंबित कीं

» यरूशलम, भाषा।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच एयर इंडिया ने इजराइल के लिए अपनी उड़ानें 31 मई तक निलंबित कर दी हैं। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि विमानन कंपनी ने नई दिल्ली-तेल अवीव मार्ग पर 31 मई तक उड़ानें निलंबित कर दी हैं। तेल अवीव मार्ग पर अधिकतर प्रमुख विमानन कंपनियों ने अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं और केवल इजराइली विमानन कंपनियां जैसे एल अल, इस्रायर, अर्किया और एयर हैफा कड़ी पाबंदियों के बीच परिचालन कर रही हैं। उड़ानों का निलंबित होना इजराइल में रह रहे 40,000 से अधिक भारतीयों के लिए चिंता का विषय है, जो निजी या पेशेगत कारणों से या क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण ईरान से निकलना चाहते हैं।

इजराइल छोड़ने के इच्छुक भारतीयों को जमीनी सीमा के जरिए जॉर्डन या मिस्र होकर जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय मिशन विभिन्न माध्यमों से यात्रा करने के इच्छुक लोगों की मदद कर रहा है। दूतावास ने इस दौरान समुदाय के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा है, चौबीसों घंटे सेवा देने वाली आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की है और बड़े पैमाने पर पंजीकरण अभियान भी चलाया है। मिशन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए बताया कि राजदूत जे. पी. सिंह और दूतावास के दल ने शनिवार को इजराइल भर में भारतीय कामगारों और छात्रों के साथ डिजिटल माध्यम से चर्चा की और उनकी चिंताएं सुनीं एवं उन्हें मौजूदा संकट के दौरान और उसके बाद भी लगातार सहयोग दिए जाने का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली और तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा एक जनवरी को सप्ताह में चार उड़ानों के साथ पुनः शुरू की गई थी और इसके लिए उन्नत बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल किया गया था।

दक्षिण-पश्चिम ईरान में हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत, कई घायल : ईरानी सरकारी मीडिया

दुबई। दक्षिण-पश्चिम ईरान में किए गए हवाई हमलों में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ईरान की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी है। यह हमला उसी क्षेत्र में हुआ, जहां अमेरिकी चालक दल के एक सदस्य के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। इस बीच, संयुक्त सैन्य कमान के प्रमुख जनरल अली अब्दुल्ला अलीबादी ने चेतावनी दी कि यदि ईरान के विरुद्ध आक्रामकता बढ़ती है, तो उनका देश क्षेत्र में अमेरिकी सेना द्वारा उपयोग किए जा रहे हर प्रकार के ढांचे को निशाना बनाएगा, साथ ही इजराइल के बुनियादी ढांचे पर भी प्रहार करेगा। सरकारी मीडिया द्वारा शनिवार शाम प्रसारित उनके ए बयान उस चेतावनी के कुछ घंटों बाद आए, जब ट्रंप ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने या फिर विनाशकारी परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। सरकारी मीडिया के अनुसार, अलीबादी ने ट्रंप की हालिया धमकी के जवाब में कहा, यदि ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया, तो दुश्मनों के लिए जहन्नुम के दरवाजे खोल दिए जाएंगे। ट्रंप ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, याद है जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन का समय दिया था? उन्होंने कहा, समय तेजी से बीत रहा है - 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के साथ 28 फरवरी को शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है। इसने वैश्विक बाजारों को हिलाकर रख दिया है, अहम समुद्री मार्गों को बाधित कर दिया है और ईंधन की कीमतों में तेज उछाल ला दिया है।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिणी कैलिफोर्निया में भीषण वनाग्नि पर काफी हद तक काबू, कई इलाकों से निकासी आदेश हटे

» रिवरसाइड (अमेरिका), भाषा।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के जंगल में शुक्रवार को भड़की भीषण आग पर शनिवार अपराह्न तक काफी हद तक काबू पा लिया गया है। दमकल अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, आग के कारण जारी किए गए निकासी आदेशों में से कई को शनिवार सुबह वापस ले लिया गया, जबकि कुछ क्षेत्रों में अनिवार्य निकासी आदेश अब भी लागू हैं। रिवरसाइड काउंटी अग्निशमन विभाग की सार्वजनिक सुरक्षा सूचना विशेषज्ञ टेरा फर्नांडीज ने बताया कि लॉस एंजिलिस से लगभग 103 किलोमीटर पूर्व स्थित रिवरसाइड काउंटी में यह आग करीब 16 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैल गई थी। उन्होंने कहा कि शनिवार तक आग पर कम से कम 75 प्रतिशत तक काबू पा लिया गया है। फर्नांडीज ने कहा, स्थिति अब लगभग नियंत्रण में है।

अधिकारियों के मुताबिक, शनिवार को सांता एना हवाओं के झोंकों की रफ्तार 72 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान था, जिससे आग फैलने का खतरा बना हुआ था। हालांकि, शुक्रवार की तुलना में हवा की गति कुछ कम होने से दमकलकर्मियों को राहत मिली। इस आग से अब तक किसी भी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। आग पर काबू पाने के लिए करीब 260 कर्मी जुटे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, काउंटी के कुछ इलाकों में अब भी अनिवार्य निकासी आदेश लागू हैं, हालांकि इससे प्रभावित परिवारों की संख्या का तत्काल पता नहीं चल सका है। यह आग रिवरसाइड काउंटी के घनी आबादी वाले एक गैर-निगमित क्षेत्र में लगी है, जो लगभग दो लाख आबादी वाले मोरेनो वैली शहर के पास एक मनोरंजन क्षेत्र है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओली, पूर्व गृह मंत्री लेखक पांच और दिन हिरासत में रहेंगे

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक पांच और दिन न्यायिक हिरासत में रहेंगे। दरअसल, काठमांडू की एक जिला अदालत ने पिछले साल सितंबर में हुए जेन जेड आंदोलन के खिलाफ कार्रवाई में दोनों नेताओं की कथित संलिप्तता की जांच के लिए पुलिस द्वारा और समय मांगे जाने के बाद उनकी हिरासत की अवधि बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। अदालत के अधिकारियों ने बताया कि रिमांड की पिछली अवधि समाप्त होने के बाद जांचकर्ताओं द्वारा और समय मांगे जाने पर काठमांडू जिला अदालत ने हिरासत बढ़ाने की मंजूरी दे दी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष ओली और लेखक को पिछले साल आठ और नौ सितंबर के जेन जेड आंदोलन को दबाने में संलिप्तता के आरोप में 28 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। इस कार्रवाई में करीब 24 युवाओं सहित 76 लोग मारे गए थे। इस बीच उच्चतम न्यायालय दोनों नेताओं की रिहाई का अनुरोध करने वाली दो रिट याचिकाओं पर सुनवाई सोमवार को जारी रखेगा क्योंकि इन पर रविवार को सुनवाई पूरी नहीं हो सकी।

वरिष्ठ अधिवक्ता ललित बस्नेत ने ओली और लेखक की पैरवी करते हुए रविवार को कहा कि गौरी बहादुर कार्की की अगुवाई वाले जांच आयोग की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने दलील दी कि मंत्रिमंडल को किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बारे में फैसला लेने का कोई अधिकार नहीं है। जेन जेड प्रदर्शनों की जांच के लिए सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा गठित जांच आयोग ने लोगों की मौत के लिए ओली और लेखक को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की थी। ओली (75) विभिन्न बीमारियों से पीड़ित होने के कारण इस समय त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस इस मामले में अस्पताल से ही उनका बयान दर्ज कर रही है जबकि 62 वर्षीय लेखक का बयान पुलिस हिरासत में दर्ज किया जा रहा है। देश की नवनिर्मित बालेंद्र शाह सरकार ने जेन जेड प्रदर्शनों को लेकर जांच आयोग की रिपोर्ट को अपनी पहली मंत्रिमंडल बैठक में लागू करने का फैसला किया था जिसके बाद दोनों नेताओं को गिरफ्तार किया गया।

अफगानिस्तान में जारी अभियान में टीटीपी के करीब 800 आतंकवादी मारे गए: पाकिस्तान

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि उसके सुरक्षा बलों द्वारा अफगानिस्तान में शुरू किए गए अभियान के दौरान अफगान तालिबान के करीब 800 आतंकवादी मारे गए हैं। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने ऑपरेशन गजब लिल-हक के संबंध में नवीनतम जानकारी साझा करते हुए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अफगान तालिबान को हुए नुकसान का ब्योरा दिया। टीटीपी को फितना अल ख्वारिज (एफएके) भी कहा जाता है।

तरार ने कहा कि अभियान शुरू होने के बाद से फितना अल ख्वारिज और अफगान तालिबान के कम से कम 796 सदस्य मारे गए हैं तथा 1,043 से अधिक लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि अफगान तालिबान की 286 चौकियां नष्ट कर दी गई और 44 अन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया गया जबकि उनके 249 टैंक, बख्तरबंद वाहन, तोपें और ड्रोन नष्ट कर दिए गए। ऑपरेशन गजब लिल-हक 26 फरवरी की रात शुरू किया गया था। पाकिस्तान का कहना था कि सीमा पार से अफगान तालिबान की ओर से बिना उकसावे के की गई गोलीबारी के बाद यह ऑपरेशन शुरू किया गया। तरार ने कहा कि सेना ने अफगानिस्तान में 81 आतंकवादियों और उनका समर्थन देने वाले ठिकानों को भी हवाई कार्रवाई के जरिए प्रभावी ढंग से निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात गुलाम खान सेक्टर में एक सीमा चौकी पर अफगान तालिबान के हमले की कोशिश को पूरी तरह नाकाम कर दिया गया। तरार ने कहा कि इस अभियान में 37 आतंकवादी मारे गए और 80 से अधिक आतंकवादी घायल हुए।

नेपाल की सत्तारूढ़ पार्टी आरएसपी के नेता आर्यल संसद अध्यक्ष चुने गए

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता डोल प्रसाद आर्यल रविवार को संसद के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने रविवार दोपहर अपने कार्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में संसद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष आर्यल को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। संसद सचिवालय की ओर से जारी एक सूचना के अनुसार, आरएसपी के उपाध्यक्ष आर्यल संघीय संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सदस्यों की बैठक में निर्विरोध चुने गए।

आरएसपी के अध्यक्ष एवं सांसद रवि लामिछाने ने आर्यल को अध्यक्ष निर्वाचित किए जाने का प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव का अनुमोदन सांसद सोविता गौतम, डॉ. स्वर्णिम वाग्ले और सुनील लामसाल ने किया। प्रतिनिधि सभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य अर्जुन नरसिंह केसी ने बैठक के बाद घोषणा की कि आर्यल अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

ईरान युद्ध लंबा खिंचा तो यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन घटेगा : जेलेंस्की

इस्तांबुल। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने चिंता जताई कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध लंबा खिंचता है, तो इससे यूक्रेन के प्रति अमेरिका का समर्थन और कम हो सकता है, क्योंकि वाशिंगटन की वैश्विक प्राथमिकताएं बदल रही हैं और कीव को बेहद जरूरी पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों की आपूर्ति घटने की आशंका है। जेलेंस्की ने शनिवार देर रात इस्तांबुल में एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि यूक्रेन को रूस के रोजाना हमलों का मुकाबला करने के लिए अमेरिका निर्मित पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली की सख्त जरूरत है। चार साल से अधिक समय पहले शुरू हुए रूस के आक्रमण के बाद से शहरी इलाकों पर लगातार हमलों में हजारों नागरिक मारे गए हैं। रूस ने यूक्रेन की ऊर्जा आपूर्ति को भी निशाना बनाया है, ताकि वहां ड्रोन और मिसाइलों के उत्पादन को बाधित किया जा सके और सर्दियों में लोगों को बिजली व पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित किया जा सके। जेलेंस्की ने कहा, हमें यह स्वीकार करना होगा कि इस समय हम प्राथमिकता नहीं हैं। इसी वजह से मुझे डर है कि यदि (ईरान) युद्ध लंबा चला, तो हमें और कम समर्थन मिलेगा।

ऑक्सफोर्ड विवि पुस्तकालय हिंदू ग्रंथ शिक्षापत्री का द्विशताब्दी समारोह मना रहा

» लंदन, भाषा।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के बोडलियन पुस्तकालय ने विश्व के सबसे महत्वपूर्ण और दुर्लभ हिंदू धर्मग्रंथों में से एक शिक्षापत्री की 200वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पूरे ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत की है। पांडुलिपि की यात्रा इसकी रचना के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष के प्रारंभ में शुरू हुई। इस पांडुलिपि को स्वामीनारायण पंथ के नेताओं के सहयोग से देश भर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि अनुमानित तौर पर 20,000-30,000 लोग इस पवित्र ग्रंथ का दर्शन कर सकें। गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी-भगवान स्वामीनारायण द्वारा 1826 में रचित शिक्षापत्री नैतिक और आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करती है।

बोडलियन में एशियाई और मध्य पूर्वी संग्रह की क्यूरेटर डॉ. गिलियन एविसन ने कहा, ब्रिटेन भर के मंदिरों और समुदायों के साथ इस ऐतिहासिक पांडुलिपि को साझा करके, बोडलियन पुस्तकालयों को उम्मीद है कि वे इसके सांस्कृतिक महत्व और इसके स्थाई संदेश दोनों का सम्मान करेंगे। उन्होंने कहा, रचना के दो शताब्दी बाद भी, शिक्षापत्री में करुणा, नैतिक जीवन और सामाजिक सद्भाव का आह्वान जटिल होती दुनिया में प्रासंगिक है। ऐसा कहा जाता है कि यह पांडुलिपि बसंत पंचमी के दिन लिखी गई थी, जिसमें 212 संस्कृत श्लोक हैं जो हिंदू धर्मग्रंथों के प्रमुख सिद्धांतों का सार प्रस्तुत करते हैं। स्वामीनारायण के अनुयायियों द्वारा प्रतिदिन पढ़े जाने वाले इस ग्रंथ की विश्व स्तर पर लाखों प्रतियां छप चुकी हैं। बोडलियन संग्रहालय का दावा है कि उसकी पांडुलिपि ऐतिहासिक महत्व रखती है क्योंकि यह लेखक द्वारा स्वयं प्रदान किए गए ग्रंथ की सबसे पुरानी ज्ञात प्रतियों में से एक है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने कहा, इस पांडुलिपि में एक गहरा ऐतिहासिक महत्व निहित है। 26 फरवरी, 1830 को सहजानंद स्वामी ने स्वयं यह प्रति बंबई के तत्कालीन गवर्नर सर जॉन मैल्कम को भेंट की थी। औपनिवेशिक उथल-पुथल के दौर में, इस ग्रंथ ने नैतिक आचरण और जीवनशैली के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। इसने कहा, आज भी शिक्षापत्री लाखों भक्तों के दैनिक जीवन को आकार दे रही है, जिसमें अहिंसा, शाकाहार, ईमानदारी और पापपूर्ण व्यवहार से बचने जैसे सिद्धांतों को बढ़ावा दिया जाता है। पांडुलिपि की यात्रा अगस्त तक चलेगी और इस दौरान इसे लंदन तथा वेल्स के विभिन्न हिस्सों में स्थित स्वामीनारायण मंदिरों में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा जाएगा।

(जॉर्ज कैफेट्जिस, ससेक्स विश्वविद्यालय, डैन निल्सन, लुंड विश्वविद्यालय)

हमारी आधुनिक दृष्टि एक-आंख वाले कीड़े जैसे पूर्वज से विकसित हुई : अध्ययन

» ससेक्स, (द कन्वरसेशन), (भाषा)।

आंखें - जिनसे हम दुनिया देखते हैं, वे हमें इतनी सामान्य लगती है कि हम अक्सर उनकी अहमियत को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन हमारे हालिया शोध से पता चलता है कि आज जिस रूप में हम उन्हें देखते हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने विकास की एक बेहद लंबी और रोमांचक यात्रा तय की है। काफी समय से माना जाता रहा है कि इंसानों और अन्य कशेरुकी जीवों की आंखें, अकशेरुकी जीवों की आंखों से बुनियादी रूप से अलग होती हैं, क्योंकि उनकी कोशिकाओं की संरचना और जन्म से पहले उनके विकसित होने का तरीका अलग होता है। हालांकि, यह अंतर आखिर क्यों और कैसे पैदा हुआ, इसका जवाब लंबे समय तक रहस्य बना रहा।

हमारे अध्ययन से संकेत मिलता है कि हमारी आंखों की जड़ें एक ऐसे कीड़े जैसे पूर्वज से जुड़ी हैं, जो करीब 60 करोड़ साल पहले समुद्रों में विचरण करता था। यह ऐसे शुरुआती जीव को दर्शाता है जो आकार और संरचना में कीड़े जैसा था और जिससे आगे चलकर अन्य जटिल जीव विकसित हुए। यह बात उन सभी जीवों पर लागू होती है, जिनके शरीर को बीच से बांटने पर बाएं और दाएं हिस्से लगभग एक जैसे दिखाई देते हैंजैसे इंसान, जानवर, पक्षी आदि। अपने अध्ययन के तहत हमने जीवों के 36 प्रमुख समूहों (जो लगभग सभी द्विपार्श्व जीवों को कवर करते हैं) का विश्लेषण किया, ताकि यह समझा जा सके कि उनकी आंखें और रोशनी को महसूस करने वाली कोशिकाएं कहां होती हैं और क्या काम करती हैं। इससे एक दिलचस्प बात सामने आई। हमने पाया कि ज्यादातर जीवों में आंखें और रोशनी महसूस करने वाली कोशिकाएं दो जगहों पर होती हैं एक चेहरे के दोनों तरफ (जोड़ी में) और दूसरी सिर के बीच में, मस्तिष्क के ऊपर।

हमने जिन जीवों का अध्ययन किया, उनमें चेहरे के दोनों तरफ मौजूद ए कोशिकाएं शरीर की गतिविधियों को दिशा देने में मदद करती हैं, जबकि बीच में मौजूद कोशिकाएं दिन और रात के फर्क के साथ-साथ ऊपर-नीचे की पहचान करने में सहायक होती हैं। हमारे निष्कर्ष के मुताबिक, सभी कशेरुकी जीवों के कीड़े जैसे पूर्वज ने करीब 60 करोड़ साल पहले जब समुद्र की तलहटी में बिल बनाकर स्थिर जीवन जीना शुरू किया, तो उसने 'दिशा नियंत्रित करने वाली' अपनी जोड़ी आंखें खो दीं। दरअसल, जब यह जीव एक जगह रहकर पानी से बीन-बीनकर भोजन हासिल करने लगा, तो उसे चलने-फिरने की जरूरत नहीं रही। इसलिए उसकी ऊर्जा खर्च करने वाली आंखें बेकार हो गईं। लेकिन इस बदलाव का असर उसके सिर के बीच मौजूद रोशनी महसूस करने वाली कोशिकाओं पर नहीं पड़ा। उन्हें अभी भी दिन-रात का फर्क समझने और ऊपर-नीचे की दिशा पहचानने की जरूरत थी, इसलिए वे सुरक्षित रहीं। हालांकि, दोनों आंखें गायब हो गईं लेकिन बीच की ये कोशिकाएं धीरे-धीरे विकसित होकर एक छोटी 'मध्य आंख' का रूप ले गईं। संभवतः कुछ ही लाख साल बाद इस जीव की जीवनशैली फिर बदली। जब वह दोबारा तैरने लगा, तो उसे फिर से दिशा नियंत्रित करने और अपने शरीर की गति समझने की जरूरत महसूस हुई, ताकि वह बेहतर तरीके से भोजन हासिल कर सके और शिकारियों से बच सके। जब विकास की प्रक्रिया ने मध्य रेखा पर एक आंख का निर्माण किया, तब उसके दोनों ओर आंखों के आकार (आई कप) बनने लगे। समय के साथ ये आकार उस मध्य आंख से अलग हो गए, सिर के किनारों की ओर खिसक गए और अंततः दो नई आंखों के रूप में विकसित हो गएयही हमारी मौजूदा आंखें हैं। दृष्टि का जाना और फिर से प्राप्त होना लगभग 60 करोड़ से 54 करोड़ वर्ष पूर्व के बीच हुआ। मध्य रेखीय आंख के कुछ घटक बने रहे और आगे चलकर मस्तिष्क में पीनियल अंग के रूप में परिवर्तित हो गए, जो नींद से संबंधित हार्मोन मेलाटोनिन का निर्माण एवं स्राव करता है। अनेक कशेरुकी जीवों में यह पीनियल अंग सिर के मध्य स्थित एक पारदर्शी (अवर्णित) क्षेत्र के माध्यम से प्रकाश को ग्रहण करता है। परंतु स्तनधारियों के वंश में पीनियल अंग ने प्रकाश-संवेदन की अपनी क्षमता खो दीसंभवतः इसलिए कि प्रारंभिक स्तनधारी रात्रिचर थे और दिन के समय छिपे रहते थे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com